शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 178 | गुवाहाटी | बुधवार, 29 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दस लाख की आय हो सकती है कर मुक्त पेज 2
मुख्यमंत्री ने बीटीसी के कार्यकारी पार्षदों और पार्षदों के लिए नवनिर्मित... पेज 3
महाकुंभ दुनिया को बता रहा कितनी गहरी है भारतीय संस्कृति की जड़ें पेज 5
एबी डिविलियर्स की चार साल बाद क्रिकेट में वापसी डब्ल्यूसीएल में करेंगे... पेज 7

बोड़ो शांति समझौते के वर्षगांठ समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री, कहा–

125वां संविधान संशोधन विधेयक लाने की हो रही है तैयारी

कोकराझाड़ (एजे /हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि केंद्र आगामी संसद सत्र में 125वां संविधान संशोधन विधेयक पेश करेगा, जिसका उद्देश्य राज्य के बोड़ो बहुल क्षेत्रों की तरह आदिवासी स्वायत्त परिषदों को अधिक शक्तियां सौंपना है। बोड़ो शांति समझौते 2020 के पांच साल पूरे होने के अवसर पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम के मौके पर प्रेस से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार इस त्रिपक्षीय समझौते के लाभों को इस तरह से *समेकित* करने के लिए काम करेगी कि यह शांति प्रक्रिया को *बेपटरी* न करे। मुख्यमंत्री के साथ बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो भी थे। एक प्रस्ताव है... हम इसे संविधान का 125वां संशोधन कहते हैं। राज्य सरकार इस संशोधन का समर्थन कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार संविधान संशोधन लाने की प्रक्रिया में है। स्थायी समिति की चर्चा समाप्त हो चुकी है। हम दोनों (बीटीसी प्रमुख बोड़ो) आशान्वित हैं कि आगामी बजट सत्र में कुछ सकारात्मक देखने को मिलेगा। संविधान (125वां संशोधन) विधेयक, 2019 को केंद्र सरकार द्वारा 2019 में राज्यसभा में पेश किया गया था। विधेयक का उद्देश्य वित्त आयोग और संविधान की छठी अनुसूची से संबंधित प्रावधानों में संशोधन करना है। छठी अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों में जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित है। संविधान की छठी अनुसूची के तहत स्थापित बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में पांच जिले – कोकराझाड़, चिरांग, बाक्सा, उदालगुड़ी और तामुलपुर शामिल हैं और यह बीटीआर के 8,970 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर शासन करता है, जिसमें 31 लाख से अधिक लोग रहते हैं, जिनमें बोड़ो भी शामिल हैं, जो असम में सबसे बड़ी अनुसूचित जनजाति है। जब शर्मा से बीटीसी द्वारा विकास कार्यों की शुरुआत के लिए अधिक धनराशि मांगने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पैसा *कोई मुद्दा नहीं है,* लेकिन उनका मानना है कि लेने के बजाय देना ही रास्ता होना चाहिए। बोड़ो की ओर इशारा करते हुए शर्मा ने कहा कि बीटीआर के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए हम मिलकर काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि परिषद को तीन स्रोतों से धन मिल रहा है – असम सरकार, केंद्र और अपने स्वयं के माध्यम से। छह हजार लोग मुख्यधारा में आए (2020 के समझौते के कारण)। अगर उनके पास हथियार होते तो आप इसके परिणामों के बारे में सोच सकते हैं। इस क्षेत्र में पिछले 3.5 वर्षों में कोई भी सशस्त्र व्यक्ति नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि हिंसा की बात तो छोड़िए, यहां कोई लोकतांत्रिक आंदोलन भी नहीं हुआ है। बीटीआर अब शांति का टापू बन गया है। शर्मा ने कहा कि बोड़ो, गैर-बोड़ो का कथानक समाप्त हो गया है। यह –शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन का असम पर कोई असर नहीं : सीएम

कोकराझाड़। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को उन आशंकाओं को खारिज कर दिया कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन और बढ़ती गतिविधियों का असम पर कोई असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में स्थिति अच्छी नहीं है। शर्मा ने स्वीकार किया कि आईएसआई और अशांति फैलाने वाले बांग्लादेशी समूह का एक वर्ग फिर से संगठित होने की कोशिश कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि हम कई गैजेट्स (सूचना प्रौद्योगिकी) के जरिए स्थिति पर नजर रख रहे हैं। ऐसी खबरें हैं कि आईएसआई और बांग्लादेशी समूह का एक वर्ग फिर से संगठित होने की कोशिश कर रहा है। उनके पास असम में घुसने का कोई विकल्प नहीं है। असम की सीमा सुरक्षित है, क्योंकि सीमा के चारों ओर बाड़ लगी हुई है। हालांकि, शर्मा ने कहा कि पड़ोसी देश में सत्ता परिवर्तन के बाद औसतन 10 से12 लोगों को बांग्लादेश वापस भेजा जाता है। गौरतलब है कि, बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने की कोशिश करने वाले हजारों बांग्लादेशियों को वापस भेजा है। उल्फा के कमांडर चीफ परेश बरुआ के बारे में बात करते हुए शर्मा ने कहा कि वह (बरुआ) भी शांति चाहते हैं। शर्मा ने कहा कि परेश बरुआ शांति चाहते हैं और मैं उनसे बात करता रहता हूं। मेरा मानना है कि परेश बरुआ क्षेत्र में शांति को अस्थिर नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि असम में शांति और विकास के मुद्दे का जिक्र करते हुए शर्मा ने कहा कि अगले पांच साल में असम सबसे आगे होगा। मुख्यमंत्री 27 जनवरी, –शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के अगले दिन से शुरू होंगे पंचायत चुनाव : मुख्यमंत्री

बरपेटा (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा मंगलवार को कोकराझाड़ से सीधे बरपेटा के हाउली पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हाउली रास मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में प्रणाम् किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया के साथ बातचीत भी की। मुख्यमंत्री ने पंचायत चुनाव की तारीख पर मीडिया द्वारा पूछे गए एक सवाल के उत्तर में कहा कि उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के अगले दिन से चुनाव शुरू होंगे। हाउली पहुंचे मुख्यमंत्री ने रास मंदिर प्रबंधन समिति के साथ बैठक की। पिछली रास महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया गया था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हो सके थे। इसी कारण कोकराझाड़ से गुवाहाटी लौटते समय उन्होंने मंदिर में प्रणाम् किया। मुख्यमंत्री ने रास महोत्सव के लिए शताब्दी भवन निर्माण की योजना तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही हाउली से बरपेटा को जोड़ने वाले हाजो–गुवाहाटी राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए –शेष पृष्ठ दो पर

एडवांटेज असम 2.0 : खानापाड़ा में किया गया भूमिपूजन

गुवाहाटी। एडवांटेज असम 2.0 के लिए मंगलवार को खानापाड़ा, गुवाहाटी स्थित कॉलेज ऑफ वेटरनरी प्लेग्राउंड में भूमि पूजन किया गया। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री बिमल बोरा ने 25 और 26 फरवरी को होने वाले बहुप्रतीक्षित निवेश शिखर सम्मेलन के लिए समारोह का नेतृत्व किया। भूमि पूजन के अलावा, मंत्री बोरा ने *लाई खुटा* की आधारशिला रखी, जो शिखर सम्मेलन की समृद्धि और निवेश और नवाचार केंद्र के रूप में असम के निरंतर उदय का प्रतीक है। मंत्री ने कार्यक्रम की सफलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। एडवांटेज असम 2.0 का प्राथमिक उद्देश्य राज्य में घरेलू और –शेष पृष्ठ दो पर

असम सरकार ने कोलकाता में किया रोड शो

कोलकाता (हि.स.)। असम सरकार की तरफ से कोलकाता में निवेशकों के रोड शो का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आगामी एडवांटेज असम 2.0: इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर समिट- 2025 की प्रस्तावना के रूप में आयोजित किया गया। यह सम्मेलन 25-26 फरवरी को गुवाहाटी में होगा, जिसमें असम के औद्योगिक विकास और निवेश की व्यापक संभावनाओं को प्रस्तुत किया जाएगा। इस रोड शो में असम सरकार के स्वास्थ्य और सिंचाई मंत्री अशोक सिंघल मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने असम में तेजी से –शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

एक मनुष्य का सबसे बड़ा कर्म दुसरो की भलाई, और सहयोग होना चाहिए; जो एक संपन्न राष्ट्र का निर्माण करता है।
– **ईश्वर चंद्र विद्यासागर**

शरिया कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची मुस्लिम महिला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक मुस्लिम महिला ने याचिका दायर कर मांग की है कि उसे शरीयत कानून में विश्वास नहीं है और वह चाहती है कि उस पर उत्तराधिकार कानून लागू हो। महिला की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है और सरकार का इस मुद्दे पर पक्ष पूछा है। केरल के अलप्पुझा की रहने वाली एक महिला साफिया पी एम ने यह याचिका दायर की है। याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र सरकार को नोटिस –शेष पृष्ठ दो पर

ईसी ने जारी की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट, कहा–

170 प्रतिशत बढ़ी कांग्रेस की इनकम, भाजपा की हुई रिकॉर्ड कमाई

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के पास दाखिल पार्टी की हालिया वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा की सालाना कमाई 2022-23 में 2360.8 करोड़ रुपए से 83 प्रतिशत बढ़कर 2023-24 में 4340.5 करोड़ रुपए हो गई है। जिसमें से 1685.6 करोड़ रुपए चुनावी बॉन्ड के माध्यम से आए। यह किसी भी पार्टी के जरिए घोषित बॉन्ड से अब तक की सबसे ज्यादा कमाई है। भारत के चुनाव आयोग ने डेटा उपलब्ध कराया जिससे पता चला कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपाके पास 7,113.80 करोड़ रुपए की भारी नकदी और बैंक बैलेंस है। 31 मार्च 2024 तक 857.15 करोड़ रुपए के साथ भारत की दूसरी सबसे अमीर राजनीतिक पार्टी कांग्रेस है। चुनाव आयोग को उपलब्ध कराए गए –शेष पृष्ठ दो पर

खड़गे के बयान पर भड़के डॉ. शर्मा, पूछा–

क्या हज यात्रा से गरीबी खत्म हो जाएगी ?

नई दिल्ली। प्रयागराज में संगम पर भाजपा नेताओं के पवित्र स्नान पर की गई टिप्पणी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने निशाना साधा है। सीएम शर्मा ने कहा कि उनका बयान सनातन के खिलाफ मानसिकता को दर्शाता है। वे आत्मचिंतन करें और अपना रुख तय करें। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि महाकुंभ पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का –शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

हत्याकांड केस में आठ पुलिसकर्मियों को उम्रकैद की सजा

शिमला। सीबीआई की अदालत ने 2017 में हिमाचल प्रदेश शिमला जिले के कोटखाई में हुए गुड़िया दुष्कर्म और हत्या मामले से जुड़े सूरज लॉकअप हत्याकांड में आठ पुलिसकर्मियों को दोषी करार दिया है। इन सभी दोषियों को आजीवन –शेष पृष्ठ दो पर

श्रीलंकाई नौसेना की गोलीबारी में पांच भारतीय मछुआरे घायल भारत ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली। श्रीलंकाई नौसेना की ओर से डेल्फ्ट द्वीप के नजदीक की गई गोलीबारी की घटना में मंगलवार (28 जनवरी, 2025) को पांच मछुआरे घायल हो गए। पांच में से दो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। श्रीलंकाई नौसेना के गोलीबारी करने को लेकर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और द्वीप के हाई कमिश्नर को तलब किया है। विदेश मंत्रालय ने द्वीप के एक्टिंग हाई कमिश्नर को तलब किया है और उनके सीनियर –शेष पृष्ठ दो पर

चार देशों पर कहर बरसाने जा रहें हैं ट्रंप, लिस्ट में सबसे ऊपर भारत

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत, चीन और ब्राजील को *बड़े टैरिफ मेकर* करार देते हुए उन पर गंभीर आरोप लगाए। ट्रंप ने इन चारो देशों को *टैरिफ लगाने वाले बड़े खिलाड़ी* बताया और आरोप लगाया कि ये देश अमेरिका को आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अब और नुकसान नहीं सहेंगे और अमेरिका को सबसे पहले रखेंगे। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया कि उनका प्रशासन इन देशों पर उच्च शुल्क लगाएगा, ताकि अमेरिकी उद्योग और श्रमिकों को लाभ हो। उन्होंने कहा कि बेशख मेरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अच्छी दोस्ती है लेकिन अमेरिका सबसे ऊफर है। ट्रंप ने ये भी कहा कि ये चारों देश अमेरिका को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। हम अमेरिका को पहले रखेंगे और इन देशों पर टैरिफ बढ़ाएंगे। फ्लोरिडा में हाउस रिपब्लिकन्स के एक कार्यक्रम में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि भारत, चीन और ब्राजील जैसे देशों की प्राथमिकता उनके अपने देश के हित हैं, लेकिन अमेरिका इसे अब और बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि ये देश –शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में रेल यातायात बंद, मुसीबत में फंसे हजारों यात्री, माल परिवहन भी रुका

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में देशव्यापी हड़ताल के कारण सोमवार आधी रात से रेलगाड़ियों के पहिये थमने से हजारों मुसाफिर बीच मझधार में फंस गए हैं। कई जगह तो ड्राइवर ट्रेन छोड़कर ही भाग गए। हड़ताल से अनजान कई यात्री मंगलवार सुबह ढाका के कमलापुर स्टेशन पर रेलगाड़ियों का इंतजार करते रहे। घंटों बाद उन्हें पता चला कि रेलवे कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। इसके बाद कुछ घरों को लौट गए। सैकड़ों यात्रियों ने गंतव्य तक पहुंचने के लिए बसों का सहारा लिया। प्रमुख बांग्ला अखबार प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार रेलवे रनिंग स्टाफ की हड़ताल के कारण देशभर में ट्रेनों का चक्का जाम है। सोमवार आधी रात से राजधानी ढाका सहित विभिन्न मार्गों पर ट्रेनों का परिचालन ठप हो गया है। इस वजह से यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। राजशाही, चट्टोग्राम, खुलना, पंचगढ़, दिनाजपुर और अन्य क्षेत्रों के स्टेशनों पर –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

दस लाख की आय हो सकती है कर मुक्त

मध्यवर्ग को राहत देने को लेकर वित्तमंत्री पर बड़ा दबाव

नई दिल्ली। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2025 को आम बजट पेश करेंगी। देश के सबी वर्गों को बड़ी उम्मीद है, हालांकि अर्थशात्रियों का कहना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की चुनौती ने सरकार के हाथ बांध रखे हैं। चुनावों में फ्री...फ्री... की घोषणा, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानी, मध्यवर्ग का भी बड़ा दबाव है। अर्थशास्त्री सारथी आचार्य कहते हैं कि इस बार सरकार 10 लाख की आय को आयकर के दायरे से मुक्त करके लोक लुभावन घोषणा कर सकती है। देश के पूर्व बैंकिंग सचिव और अर्थशास्त्री डीके मित्तल को भी कुछ इसी तरह की घोषणा की उम्मीद है, लेकिन उन्हें मुख्य मुद्दों पर किसी तरह का कोई विशेष सुधार का कदम उठाए जाने की उम्मीद कम है। डीके मित्तल कहते हैं कि सरकार की आर्थिक सलाहकारों की टीम में भी नए सुधार वाले दृष्टिकोण के लोग नहीं दिखाई दे रहे हैं। अभी राज्य सरकारें और केंद्र सरकार जनता को फ्री...फ्री... का वादा करती जा रही हैं। इसके कारण कामगारों का संकट अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बन रहा है। केंद्र को इस बारे में भी सोचना और प्रावधान करना होगा। डीके मित्तल कहते हैं कि देश की आर्थिक वृद्धि में दो चीजें बहुत महत्वपूर्ण हैं। पहली है वृद्धि और दूसरी है विश्वास, भरोसा। आज अर्थव्यवस्था में वृद्धि का सरकार चाहे जितना अच्छा दावा कर ले, लेकिन निवेशक में विश्वास का बड़ा संकट है। इसके लिए सरकार को सरलीकरण अपनाना होगा। देश की अर्थव्यवस्था अधिकांश केंद्रीय कानून पर चल रही है। इसलिए पहला कदम भी केंद्र को ही उठाना होगा। देश का निर्यात देख लीजिए, चुनौती है। देखना चाहिए कि देश में किस नए उत्पाद का निर्यात हो रहा है। 50-60 बड़े निर्यातकों में 10-15 को चोड़ दें तो कुछ खास बताने के लिए नहीं है। सरकार भी नहीं पूछती कि निर्यात को बढ़ावा क्यों नहीं हो पा रहा है। कैसे किया जाए। इसके लिए क्या करना चाहिए? लघु, सूक्ष्म एवं मजोले उद्योग लगातार कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। सारथी आचार्य भी कहते हैं कि भारत असेम्बलिंग हब बनता रहा है। हम 40 साल बाद भी कावेरी इजन विकसित नहीं कर सके। इसलिए सरकार जबतक सुधार या मुख्य मुद्दों से जुड़े मामले में राजनीतिक शक्ति नहीं दिखाती, तबतक कुछ खास घोषणा होने की उम्मीद नहीं है। सारथी आचार्य कहते हैं कि राज्यों की सरकार और केंद्र की सरकार ने फ्री..फ्री का फार्मूला अपना लिया है। केंद्र की सरकार भी सहयोगी दलों के भरोसे हैं। इसलिए वित्त आयोग के फार्मूले पर राज्यों को जो 40-42 फीसदी हिस्सी जाता था, वह अब 50 प्रतिशत तक जा सकता है। इस तरह से राज्यों को आर्थिक स्वतंत्रता थोड़ा अधिक मिल सकती है। लेकिन अभी यही लग रहा है कि सरकार के पास किसानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, मंहगाई, बेरोजगारी समेत तमाम क्षेत्र में कुछ सुधार करने के लिए बजट नहीं है। सोच में भी नहीं है। उम्मीद यही है कि कुछ लोकलुभावन वाली घोषणा के सहारे आम बजट को पेश करेगी। उसका मुख्य ध्यान एफडीआई, पीएसयू में हिस्सेदारी बेचने आदि पर रह सकता है। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती देश से बाहर जाने वाला भारतीयों का पैसा और विदेशों में उनका निवेश है। देखना होगा कि आम बजट में सरकार कैसे इस रफ्तार को रोकने पर ध्यान देती है।

औद्योगिक क्षेत्र में मील का पत्थर बनेगा एडवांटेज असम 2.0 : भाजपा अध्यक्ष

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी में 25 और 26 फरवरी को आयोजित होने वाले एडवांटेज असम 2.0 सम्मेलन असम के उद्योग और व्यापार क्षेत्र को एक नई दिशा देगा। यह बात भारतीय जनता पार्टी असम प्रदेश के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने मंगलवार को कही। उन्होंने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के इस कदम से असम में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां निवेश करेंगी। असम में सेमीकंडक्टर उद्योग के कार्य आरंभ होने के बाद बाहरी राज्यों में कार्यरत युवा असम लौटेंगे। साथ ही एडवांटेज असम 2.0 के माध्यम से अधिक उद्योग स्थापित होने से असम के कई युवाओं को रोजगार मिलेगा।

असम में अंतर-महाविद्यालय *महाबीर लाचित कप* फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद असम प्रदेश और असम फुटबॉल संघ के संयुक्त तत्वावधान में 28 जनवरी से 18 फरवरी तक असम में *महाबीर लाचित कप* (अंडर-20) फुटबॉल प्रतियोगिता मंगलवार को शुरू हुई। इस प्रतियोगिता में असम के सभी जिलों की शैक्षणिक संस्थाएं भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता का पहला चरण जिला स्तर पर शुरू हो चुका है, जिसके बाद यह जोनल स्तर पर और अंत में राज्य स्तर पर आयोजित होगी। गुवाहाटी महानगर में 18 फरवरी को इस प्रतियोगिता का राज्य स्तरीय फाइनल मुकाबला होगा। गौरतलब है कि असम के 36 जिलों की 301 शैक्षणिक संस्थाएं इस प्रतियोगिता में भाग ले रही हैं, जिससे इसे असम के फुटबॉल इतिहास की सबसे बड़ी प्रतियोगिता मानी जा रही है। विजेता टीमों को कुल ढाई लाख रुपए की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। बुधवार को इसका औपचारिक उद्घाटन समारोह गुवाहाटी विश्वविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित होगा, जिसमें असम सरकार की खेल मंत्री नंदिता गार्लोसा और गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र की सांसद बिजुली कलिता मेधी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी।

सिलचर में तीन चोर गिरफ्तार

सिलचर (हिंस)। सिलचर थाना पुलिस ने चोरी की घटनाओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत तीन चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में शारुक उद्दीन मजूमदार (23), साबिर अहमद लस्कर (49) और शिपू मजूमदार (35) शामिल हैं। कछार पुलिस अधीक्षक नोमल महता ने आज बताया है कि आरोपियों के कब्जे से दो चोरी की गई दोपहिया वाहन, दो सोने की चेन और लॉकेट तथा एक जोड़ी सोने के कान की बाली बरामद की गई। इस मामले में सिलचर थाना केस संख्या 65/25 धारा 331(4)/305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बशिष्ठ चारिआली में कोयला व्यापारी के घर पर ईडी का छापा

गुवाहाटी (हिंस)। नगर के बशिष्ठ चाराली इलाके में स्थित *जियो तारा* नामक इमारत में कोयला कारोबार से जुड़े व्यवसायी सुनील बंसल के फ्लैट नंबर 301 पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को छापा मारा। खबर है कि इस छापा में बड़ी संख्या में दस्तावेज जब्त किए हैं। छापेमारी के बाद ईडी की टीम वहां से दोपहर बाद उनके फ्लैट से निकल गई। ईडी ने इस कार्रवाई को पूरी तरह से गोपनीय रखा है। आगे की जांच चल रही है।

नए डीजीपी को जीपी सिंह ने दी बधाई

गुवाहाटी (हिंस)। असम के नए प्रभारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) हरमीत सिंह को उनके पदभार ग्रहण करने पर असम के निवर्तमान डीजीपी तथा सीआरपीएफ के नवनियुक्त महानिदेशक जीपी सिंह ने बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि हरदीप सिंह के नेतृत्व में असम पुलिस राज्य में शांति को और अधिक सुदृढ़ करेगी और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करेगी।

पूसीरे अपने कर्मचारियों को बेहतर एवं उन्नत सुविधाएं प्रदान करने को तत्पर

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) अपने जोन में रेल कर्मचारियों के लिए काम करने और आवासीय स्थिति में सुधार के लिए कई कदम उठा रहा है। ये पहल कर्मचारियों के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, ताकि उनलोगों को अपनी भूमिकाओं का निर्वाह करने में आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा सके। एक महत्वपूर्ण पहल मौजूदा कर्मचारियों के लिए नए क्वार्टरों के निर्माण के साथ-साथ क्वार्टरों का नवीनीकरण करना है। नवीनीकरण कार्य कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए बेहतर सुविधाओं सहित कर्मचारी क्वार्टरों को अपडेट करने पर केंद्रित है। रेलवे को सुचारू और सुरक्षित संचालन में पूसीरे अपने कर्मचारियों के अमूल्य योगदान को स्वीकृति प्रदान करता है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज एक बयान में बताया है कि पांच रेल मंडलों सहित पूसीरे अपने क्षेत्राधिकार में कर्मचारी क्वार्टरों के नवीनीकरण और निर्माण में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। मालीगांव क्षेत्र में बेहतर जलापूर्ति, पार्किंग क्षेत्र और उन्नत जल निकासी व्यवस्था के साथ टाइप-दो से टाइप-छह तक के 116 नए क्वार्टरों का निर्माण किया जा रहा है। इस जोन में शिशु उद्यानों को भी आधुनिक सुविधाओं के साथ सुसज्जित किया गया है, जिसमें आरामदायक बैठने की व्यवस्था, हरे-भरे लॉन क्षेत्र शामिल हैं, जो आगंतुकों की विविध आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को पूरा करते हैं। अलीपुरद्वार मंडल में स्टाफ क्वार्टरों का जीर्णोद्धार और निर्माण कार्य प्रगति पर है। बेहतर जलापूर्ति और जलनिकासी व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए टाइप-एक और टाइप-ग्यारह के 135 क्वार्टरों का कार्य तेजी से चल रहा है। इसके अलावा, कर्मचारियों के क्वार्टरों तक जाने वाली कॉलोनी की सड़कों को भी बिटुमन और कंक्रीट सतह से पुनर्निर्मित किया जा रहा है।

Surgical Gastroenterologist from Apollo Hospitals, Chennai

Apollo HOSPITALS

Dr Sudeepta Kumar Swain
MS, FMAS, DNB (Surgical Gastroenterology)

Consultation for Overweight/ Obesity, Abdominal Pain, Gall Bladder & Bile duct surgery, Pancreatic disease/ Tumors, Advanced Laparoscopic Surgery, Laparascopic Hernia Surgery, Piles & Fistula, Hernia, Colo Rectal Surgery

visiting **Guwahati on 8th February'2025**

Apollo Hospitals Chennai Regional Office
House No. 76, Rajgarh Main Road
Opp. Byelane-10, Guwahati- 781003
Call: 84040-37649, 0361-3102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

125वां संविधान संशोधन...

पूछे जाने पर कि क्या उनकी पार्टी बोड़ो के साथ मिलकर बीटीआर में आगामी चुनाव लड़ेगी, शर्मा ने कहा कि राज्य भाजपा अध्यक्ष और बीटीसी प्रमुख इन मुद्दों पर फैसला करेंगे और यह *रणनीति* का मामला है। उन्होंने कहा कि पिछली बार हमने स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा था और चुनाव के बाद साथ आए थे। भाजपा की यहां मजबूत उपस्थिति है, लेकिन हमने प्रमुख या उप प्रमुख (बीटीसी) के पद पर दावा नहीं किया है। यह आदिवासियों के विकास में हस्तक्षेप न करने का भाजपा का तरीका है। उन्होंने कहा कि असम और बीटीआर अलग नहीं हैं और दोनों ही समृद्धि साझा करते हैं। राज्य में भारत-बांग्लादेश सीमा की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेश से घुसपैठ के मामले में असम बहुत सतर्क है। उन्होंने कहा कि आज बांग्लादेश में स्थिति अच्छी नहीं है। हमने सुना है कि आईएसआई बांग्लादेशी प्रतिष्ठान के एक वर्ग के साथ मिलकर पूर्वोत्तर में उग्रवादियों के साथ फिर से एकजुट होने की कोशिश कर रही है... असम में कोई भी शांति भंग नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती राज्य में उग्रवाद के लिए कोई स्थानीय समर्थन नहीं है। उल्फा प्रमुख परेश बरुआ के बारे में पूछे गए एक प्रश्न पर शर्मा ने कहा कि बरुआ भी शांति चाहते हैं और राज्य में शांति एवं स्थिरता को बाधित नहीं करना चाहते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या असम बीटीआर क्षेत्र में निवेश के लिए उद्योगपतियों को आमंत्रित करने का प्रस्ताव कर रहा है, मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी लोग भूमि को लेकर *बहुत संवेदनशील* हैं और इसलिए उद्योगों और व्यवसायों के लिए भूमि आवंटित करने से पहले उनसे बात की जानी चाहिए और उन्हें विश्वस में लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास तो होता रहेगा, लेकिन आदिवासियों के साथ बातचीत करते समय हमें संवेदनशील होना होगा।

बांग्लादेश में सत्ता ...

2028 को हस्ताक्षरित बोड़ोलैंड समझौते की 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर कोकराझाड़ में संवाददाताओं से बात करते हुए इस बात की जानकारी दी। असम सीएम ने कहा कि बोड़ोलैंड शांति का अग्रदूत बन गया है। उन्होंने कहा कि कम से कम 6 हजार सशस्त्र उग्रवादी मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। बोड़ोलैंड में अभी कोई उग्रवादी नहीं है। उन्होंने कहा कि बोड़ो और गैर-बोड़ो की कहानी भी खत्म हो गई है।

उच्चतर माध्यमिक परीक्षा ...

केंद्र सरकार से स्वीकृति मिलने की जानकारी दी। यह परियोजना डेढ़ साल में पूरी होने की उम्मीद है। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नए वर्ष में 40 से 50 हजार नई नियुक्तियां देने और फरवरी या मार्च में एडीआरई परीक्षा परिणाम घोषित करने की बात कही। यूसीसी पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में किसी को यूसीसी से आपत्ति नहीं है। उन्होंने मुस्लिम समुदाय के प्रति भ्रामक प्रचार से बचने की अपील की और कहा कि वर्तमान समय में मुस्लिम समाज में बहुविवाह का प्रचलन नहीं है। उन्होंने बताया कि बरपेटा प्रोटेक्टेड एरिया बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेज दिया गया है।

एडवांटेज असम 2.0 : खानापाड़ा...

वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करना है। शिखर सम्मेलन की मुख्य विशेषताओं में कुल 16 सत्र शामित्र हैं, जिन्हें 8 क्षेत्रीय और 8 विषयगत चर्चाओं में विभाजित किया गया है, पांच भागीदार देश: भूटान, सिंगापुर, थाईलैंड, मलेशिया और यूरोपीय संघ और दुनिया भर के लगभग 300 उद्योग नेताओं की भागीदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 फरवरी को इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे, जो असम की आर्थिक प्रगति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा। भूमिपूजन समारोह में मुख्य सचिव रवि कोटा, एआईडीसी के प्रबंध निदेशक मानवेंद्र प्रताप सिंह, उदूयोग आयुक्त ओड़नाम सरन कुमार सिंह और उदयोग एवं वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। समारोह के बाद, मंत्री बिमल बोरा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन असम को एक प्रमुख निवेश गंतव्य में बदलने के लिए तैयार है, जो एक ऐसे विकसित असम को बढ़ावा देगा जो नवाचार और उदयमिता पर पनपता है। हमारा लक्ष्य असम को भारत के शीर्ष पांच निवेश-अनुकूल राज्यों में स्थान दिलाना है। उन्होंने कहा कि भूमिपूजन समारोह में मैंने मां कामाख्या और गुरुदेव को नमन किया तथा शिखर सम्मेलन की सफलता और समृद्धि तथा असम को एक अग्रणी निवेश और नवाचार केंद्र बनने की यात्रा के लिए आशीर्वाद मांगा।

असम सरकार ने ...

हो रहे बुनियादी ढांचे के विकास, हरित ऊर्जा और विविध विनिर्माण क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। कहा कि असम के धुबड़ी-फुलबाड़ी ब्रिज और जागीरोड इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी जैसे परियोजनाओं का जिक्र करते हुए राज्य के बुनियादी ढांचे को बदलने वाले कदमों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि असम सौर ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और अमोनिया उत्पादन जैसे हरित ऊर्जा क्षेत्रों में अग्रणी है। इसके अलावा, राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, खाद्य प्रसंस्करण, एफएमसीजी और पेट्रोकेमिकल्स जैसे विनिर्माण क्षेत्रों में भी तेजी से विकास कर रहा है। असम को पर्यटन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बताते हुए सिंघल ने राज्य की सांस्कृतिक धरोहर, वन्यजीव अभयारण्य, चाय बागानों और एडवेंचर टूरिज्म की संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने निवेशकों को इन अनछुए क्षेत्रों में अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया। शिखर सम्मेलन की शुरुआत 24 फरवरी को आठ हजार युवाओं के जुमुर नृत्य प्रदर्शन से होगी। इस कार्यक्रम में भारत के प्रधानमंत्री सहित कई केंद्रीय मंत्री, उद्योग जगत के लोग और देश-विदेश के नीति निर्माता शिरकत करेंगे। मंत्री अशोक सिंघल ने बताया कि असम की औद्योगिक नीतियां निवेशकों की जरूरतों के अनुसार कस्टमाइज की जा सकती हैं। 100 करोड़ से अधिक का निवेश करने और 200 से ज्यादा नौकरियां उत्पन्न करने वाले उद्योगों के लिए विशेष प्रोत्साहन दिए जाएंगे। अब तक असम सरकार ने 14 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के लिए 21 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें पेप्सिको और डालमिया सीमेंट जैसी कंपनियां शामिल हैं। रोड शो के समय प्रमुख हस्तियों में एफआईसीसीआई पश्चिम बंगाल स्टेट काउंसिल की सह-अध्यक्ष सोनाली घोषाल, असम सरकार के प्रधान सचिव मुकेश चंद्र साहू और असम स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पी. विजय भास्कर रेड्डी उपस्थित रहे। साथ ही कई नामी गिरामी कंपनियां भी शामिल रहीं।

शरिया कानून के ...

जारी किया है। याचिकाकर्ता महिला का कहना है कि वह इस्लाम को नहीं मानती, लेकिन अभी भी उसने आधिकारिक रूप से इस्लाम को नहीं छोड़ा है। वह चाहती है कि संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत उसे धर्म का अधिकार मिले और साथ ही धर्म पर विश्वास न करने का भी अधिकार मिले। महिला ने अदालत से ये भी मांग की है कि जो व्यक्ति मुस्लिम पर्सनल लॉ को नहीं मानना चाहता, उस पर देश के धर्मनिरपेक्ष कानून लागू होने चाहिए। वकील प्रशांत पद्मनाभन ने याचिकाकर्ता की तरफ से यह याचिका अपील की है। महिला ने याचिका में कहा कि शरीया कानून के तहत, अगर कोई व्यक्ति इस्लाम में विश्वास नहीं रखता है तो उसे समुदाय से बेदखल कर दिया जाता है। ऐसी स्थिति में उसे अपने पिता की संपत्ति में हिस्सा नहीं मिल पाएगा। अभी की स्थिति में महिला पर उत्तराधिकार कानून लागू नहीं हो सकता। केंद्र सरकार की तरफ से अदालत में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि याचिका में रोचक सवाल उठाया गया है। मेहता ने कहा कि याचिकाकर्ता महिला एक पैदाइशी मुस्लिम है। उनका कहना है कि वे शरीयत कानून में विश्वास नहीं रखतीं और यह एक पिछड़ा हुआ कानून है। पीठ ने कहा कि यह आस्था के खिलाफ है और आपको (केंद्र सरकार) इसके जवाब में हलफनामा दाखिल करना होगा। इस पर सॉलिसिटर जरनल तुषार मेहता ने जवाब दाखिल करने के लिए तीन हफ्ते का समय मांगा। इस पर पीठ ने चार हफ्ते का समय देते हुए अगली सुनवाई की तारीख 5 मई तय की। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बीते साल 29 अप्रैल को भी केंद्र सरकार और राज्य सरकार से जवाब मांगा था।

170 प्रतिशत बढ़ी ...

आंकड़ों के अनुसार, भगवा पार्टी ने 2023-24 के दौरान 1,754.06 करोड़ रुपए खर्च किए, जब लोकसभा चुनावों की घोषणा हुई, जो 2022-23 में खर्च किए गए 1,092 करोड़ रुपए से 60 प्रतिशत अधिक है। 16 मार्च 2024 को लोकसभा चुनाव की घोषणा हुई। दूसरी तरफ, सबसे पुरानी पार्टी ने 2023-24 के दौरान 619.67 करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि 2022-23 में 192.56 करोड़ रुपए खर्च किए। चुनाव आयोग की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट से पता चला है कि भाजपा को 2023-24 के दौरान अब प्रतिबंधित चुनावी बांड के माध्यम से 1,685.69 करोड़ रुपए का स्वैच्छिक योगदान प्राप्त हुआ है, जबकि पिछले वर्ष यह 1294.15 करोड़ रुपए था। सत्तारूढ़ दल ने वर्ष के दौरान 2,042.75 करोड़ रुपए का अन्य योगदान भी प्राप्त किया है, जबकि पिछले वर्ष 2022-23 में 648.42 करोड़ रुपए प्राप्त हुआ था। चुनाव आयोग को अपनी ऑडिट रिपोर्ट में कांग्रेस ने 2023-24 के दौरान कुल 1,225.11 करोड़ रुपए का योगदान प्राप्त किया है, जिसमें अनुदान, दान और अंशदान के माध्यम से 1129.67 करोड़ रुपए शामिल हैं।

क्या हज यात्रा ...

बयान सनातन धर्म के खिलाफ उनकी मानसिकता को दर्शाता है। मेरा मानना है कि यह राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी का आधिकारिक रुख है। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि 2001 में सोनिया गांधी ने खुद कुंभ के दौरान पवित्र स्नान किया था। क्या वह यह कहने की हिम्मत करेंगे कि हज पर जाने से भूख और गरीबी जैसी समस्याएं हल नहीं होंगी? उन्होंने कहा कि कांग्रेस से जुड़े सभी हिंदू नेताओं के लिए यह समय है कि वे आत्मचिंतन करें और अपना रुख तय करें। केवल सत्ता और पद के लिए अपने विश्वास, अपने धर्म या इस देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से समझौता न करें। कोई भी नेता, कोई भी विचारधारा और कोई भी पार्टी आपके धर्म और विश्वास से ऊपर नहीं होनी चाहिए। सनातन धर्म सहस्राब्दियों से समय की कसौटी पर खरा उतरा है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए इसके सार को कमतर न आंकें। अपनी अंतरात्मा की आवाज पर चलें। महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष और मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को घेरा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हिंदुओं की आस्था का अपमान करने वाले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का सार्वजनिक निषेध किया जाए। कांग्रेस ने हमेशा हिंदू धर्म की अस्मिता, श्रद्धा और भावनाओं का अपमान किया है। इस बार महाकुंभ मेले जैसे पवित्र उत्सव, उसमें श्रद्धा और आस्था के साथ भाग लेने वाले करोड़ों हिंदुओं और गंगा की पवित्रता का मजाक उड़ाकर खड़गे ने सारी हदें पार कर दी हैं। गंगा में स्नान करने से क्या इस देश की गरीबी दूर हो जाएगी? इस तरह का मूर्खतापूर्ण और उतना ही आक्रोशजनक सवाल कांग्रेस अध्यक्ष ने उठाया है। खड़गे के इस बयान से पूरे देश में आक्रोश की लहर फैल गई है। बावनकुले ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा एक विशेष समुदाय का तुष्टिकरण किया है। इस देश के सहिष्णु और बहुसंख्यक हिंदू समाज ने इसे चुपचाप सहन किया और स्वीकार किया। लेकिन ऐसा करते हुए हिंदुओं की आस्थाओं का मजाक उड़ाने का अधिकार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को किसने दिया? कांग्रेस को हिंदुओं के वोट चाहिए, लेकिन फिर हिंदुओं से इतनी नफरत क्यों है? आखिर हिंदुओं ने ऐसी क्या गलती की है? स्वतंत्र भारत के इतिहास में छह दशक से अधिक समय तक आपको सत्ता में रखा, क्या यही हिंदुओं की गलती है? लोकसभा में भले ही 99 सांसद हों, लेकिन हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान तो कर सकते थे। अगर आप उनका मजाक उड़ाकर अपमान कर रहे हैं, तो यह अधिकार आपको किसने दिया? यह सवाल आज हिंदुस्तान की जनता के मन में उठ रहे हैं। इस देश की जनता ने लगातार तीन बार कांग्रेस को साफ नकारा, फिर भी कांग्रेस को अक्ल नहीं आई। ऐसे में जनता इस पार्टी को और क्या सजा दे सकती है? निश्चित रूप से देश की समझदार जनता इस पर विचार करेगी। लेकिन आज सत्ता में न रहते हुए भी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंभ मेले का मजाक उड़ा रहे हैं। कल अगर गलती से उनकी सत्ता आ गई, तो भविष्य में कुंभ मेले पर प्रतिबंध लगाए बिना ये नहीं रुकेंगे, यह डर आज देश के हिंदू समाज के मन में पैदा हो गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का एक बार फिर से कड़ा विरोध और तीव्र निषेध। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा नेता तब तक डुबकी लगाते हैं जब तक यह कैमरों में अच्छा दिखे। खड़गे ने कहा कि मोदी के झूठे वादों के झांसे में न आएं। क्या गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी खत्म होती है? क्या इससे आपका पेट भरता है? जब बच्चे भूख से मर रहे हैं, स्कूल नहीं जा रहे हैं, मजदूरों को उनकी मजदूरी नहीं मिल रही है, तब ये लोग हजारों रुपए खर्च कर गंगा में डुबकी लगाने की प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

चार देशों पर ...

अपने लिए अच्छा करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमारे लिए नुकसानदायक हैं। अब हम उन पर टैरिफ लगाएंगे ताकि अमेरिका का फायदा हो। यह बयान ऐसे समय आया है जब खबर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने वॉशिंगटन में मुलाकात कर सकते हैं। दोनों नेताओं ने सोमवार रात फोन पर बातचीत भी की, जिसमें भारत की अवैध प्रवासियों पर राय सामने आई, हालांकि टैरिफ का मुद्दा उठा या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। ट्रंप ने अपने *अमेरिका फर्स्ट* मॉडल की बात करते हुए कहा कि विदेशी कंपनियों को अमेरिका में उत्पादन करना होगा, नहीं तो उन्हें भारी टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर आप टैरिफ से बचना चाहते हैं, तो अपना प्लांट अमेरिका में लगाएं। उन्होंने अमेरिका में उत्पादन बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि अब हमें अपने सैनिकों के लिए जरूरी स्टील, एल्यूमीनियम और अन्य सामग्री खुद बनानी होगी। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कभी हम रोजाना एक जहाज बनाते थे, लेकिन अब हमारी उत्पादन क्षमता कम हो गई है। हमें इसे सुधारना होगा। चीन पर तीखा हमला करते हुए ट्रंप ने कहा कि चीन ने अमेरिका के साथ व्यापार में बड़े स्तर पर अन्याय किया है। उन्होंने ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, साउथ अफ्रीका) को भी चेतावनी दी कि अगर वे डॉलर का इस्तेमाल बंद करने की बात करेंगे, तो उन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप का यह बयान उनके आर्थिक एजेंडे को साफ दिखाता है। वह अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने और नौकरियां वापस लाने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही हम दूसरे देशों पर टैरिफ लगाएंगे, अमेरिकी नागरिकों और कंपनियों पर टैक्स कम कर देंगे। इससे नौकरियां और फैक्ट्रियां फिर से अमेरिका में लौटेंगी।

बांग्लादेश में रेल ...

ट्रेनें कब आएंगी, यह किसी को नहीं पता। गार्ड, ड्राइवर, लोको मास्टर, सहायक ड्राइवर और टिकट निरीक्षक सहित रनिंग स्टाफ अपने मूल वेतन के अलावा पेंशन, ग्रेच्युटी और रनिंग भत्ते की मांग को लेकर कुछ समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। रेलवे रनिंग स्टाफ और वर्कर्स यूनियन ने 22 जनवरी को चट्टोग्राम के पुराने रेलवे स्टेशन पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करके 27 जनवरी तक मांगों को पूरा करने का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो 28 जनवरी से रेलगाड़ियों का चक्का जाम कर दिया जाएगा। इसी आह्वान पर सोमवार आधी रात से रेलगाड़ियों के पहिये थम गए हैं। मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे ढाका जाने वाली हाओर एक्सप्रेस के ड्राइवर मैमनसिंह रेलवे स्टेशन पर ट्रेन को बेसहारा छोड़कर भाग गए। इससे 500 से अधिक यात्री फंस गए। गुस्साए यात्रियों ने स्टेशन अधीक्षक को बंधक बना लिया। यह ट्रेन सुबह 8 बजे नेट्रोकोना के मोहनगंज से रवाना हुई थी। मैमनसिंह रेलवे पुलिस स्टेशन प्रभारी अख्तर हुसैन का कहना है कि स्टेशन पर अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। राजशाही रेलवे स्टेशन में सुबह टिटुमिर एक्सप्रेस के रद्द होने से गुस्साए यात्रियों ने तोड़फोड़ की। रंगपुर रेलवे स्टेशन मास्टर शंकर गांगुली ने पुष्टि की कि आज सभी 15 इंटरसिटी सेवाएं रुकी हुई हैं। इस बीच रेल मंत्रालय ने घोषणा की कि यात्रियों को उनके टिकट के पैसे वापस कर दिए जाएंगे। हड़ताल के बीच वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन अहमद ने घोषणा की है कि रेलवे कर्मचारियों की उचित मांगों को पूरा कर दिया गया है। अन्य पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का मांग पत्र आर्थिक सलाहकार ने रेलवे सलाहकार के पास भेजा है। अगर हड़ताल खत्म नहीं की जाती तो कठोर कार्रवाई की जाएगी।

हत्याकांड केस में ...

कारावास की सजा सुनाई गई है और एक-एक लाख रुपए जुर्माना भी लगाया गया है। इन दोषियों में हिमाचल प्रदेश के आईजी जहूर हैदर जैदी और डीएसपी मनोज जोशी समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल हैं। सजा सुनाए जाने के बाद, आईजी जैदी अदालत में हंसते हुए नजर आए, जबकि अन्य दोषी रोते हुए थे। सभी दोषियों को चंडीगढ़ की बुड़ैल जेल भेज दिया गया है। जुर्माना एक महीने में न भरने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इस मामले में हिमाचल प्रदेश में पहली बार एसआईटी टीम के सभी सदस्यों को उम्रकैद की सजा हुई है। दोषियों में आईजी जहूर हैदर जैदी, डीएसपी मनोज जोशी, सब इंस्पेक्टर राजिंद्र सिंह, एएसआई दीप चंद शर्मा, हेड कांस्टेबल मोहन लाल, सूरत सिंह, रफी मोहम्मद और कांस्टेबल रंजीत स्टेटा शामिल हैं। अदालत ने उन्हें आईपीसी की कई धाराओं के तहत सजा सुनाई, जिसमें हत्या, उत्पीड़न, और प्रमाणों को नष्ट करने के आरोप शामिल हैं। 4 जुलाई 2017 को कोटखाई में एक 16 वर्षीय छात्रा गुड़िया का शव मिला था। उसकी हत्या और दुष्कर्म के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। सूरज, जो नेपाली मूल का था, भी इनमें शामिल था। उसे पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान मारपीट की वजह से मौत हो गई थी। इसके बाद सीबीआई ने मामले की जांच की और सभी दोषियों के खिलाफ हत्या और उत्पीड़न के आरोप तय किए। गुड़िया की हत्या के बाद इलाके में भारी विरोध हुआ था। 18 जुलाई 2017 को सूरज की मौत के बाद जनता ने थाने में आकर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद हिमाचल प्रदेश सरकार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी। अगस्त 2017 में सीबीआई ने आईजी जहूर जैदी, डीएसपी मनोज जोशी और अन्य पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया। आईजी जहूर जैदी को 2019 में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई थी, लेकिन मामले का ट्रायल जारी रहा। 2020 में भाजपा सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया, लेकिन 2023 में कांग्रेस सरकार ने उनकी सेवाएं बहाल कर दीं। सितंबर 2023 में उन्हें पुलिस मुख्यालय में आईजी के पद पर तैनात किया गया। गुड़िया के मामले में भी एक आरोपी, नीलू, को 2021 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। सीबीआई ने उसे 2018 में गिरफ्तार किया था। इस मामले में पुलिस ने सूरज और अन्य छह आरोपियों को निर्दोष पाया।

श्रीलंकाई नौसेना की ...

डिप्लोमैट के सामने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए भारत ने कहा है कि किसी भी परिस्थिति में बल का प्रयोग स्वीकार्य नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि मंगलवार की सुबह डेल्फ्ट द्वीप के नजदीक 13 भारतीय मछुआरों को पकड़ने के दौरान श्रीलंकाई नौसेना की ओर से गोलीबारी की जानकारी मिली। मछुआरों की नाव पर 13 लोग सवार थे, जिसमें से दो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और मछुआरों का जाफना टीचिंग अस्पताल में इलाज जारी है। इसके अलावा तीन अन्य मछुआरों को भी मामूली चोटें आई है, उनका भी इलाज किया जा रहा है। भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने जाफना में घायल मछुआरों से अस्पताल में मुलाकात की, हालचाल जाना और उनके परिवार से हर संभव सहायता प्रदान की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली में द्वीप से हाई कमिश्नर को मंगलवार की सुबह तलब किया गया और इस घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। इसी के साथ कोलंबो में भी भारतीय उच्चायोग ने श्रीलंकाई विदेश मंत्रालय के सामने उठाया है। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया कि भारत सरकार ने हमेशा मछुआरों से संबंधित मुद्दों को मानवीय तरीके से निपटाने की आवश्यकता पर जोर दिया है, जिसमें आजीविका संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखा गया है। किसी भी परिस्थिति में बल का प्रयोग स्वीकार्य नहीं है।

मुख्यमंत्री ने बीटीसी के कार्यकारी पार्षदों और पार्षदों के लिए नवनिर्मित आवासों का किया उद्घाटन

कोकराझाड़ (हिंस)। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के विकास और प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज कोकराझाड़ के बाउखुंगुड़ी में बीटीसी विधान परिषद के कार्यकारी पार्षदों और पार्षदों के लिए नवनिर्मित आवासों का उद्घाटन किया। ये आवास लगभग 100 करोड़ के अधोसंरचना विकास अनुदान से निर्मित किए गए हैं। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री आज बीटीआर के 5वें शांति समझौता दिवस के मौके पर कोरराझाड़ पहुंचे थे। इस अवसर पर असम सरकार के हस्तकला, वस्त्र एवं रेशम मंत्री यूजी ब्रह्मा, बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोडो, कार्यकारी पार्षद, परिषद की विधान सभा के सदस्य और अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इसके बाद, कोकराझाड़ में उच्च शिक्षा के ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से डॉ. शर्मा ने हरिनागुड़ी में आगामी कोकराझाड़ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन की आधारशिला रखी। उल्लेखनीय है कि इस 80 बीघा भूमि को एक व्यापक मास्टर प्लान के तहत योजनाबद्ध किया

गया है, जिसका उद्देश्य इसे एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक केंद्र में बदलना है। यह केंद्र आधुनिक विषयों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स आदि पर केंद्रित होगा, जो शैक्षिक प्रगति के एक नए युग का आरंभ करेगा। कोकराझाड़ कॉलेज के रूप में 1959 में स्थापित यह संस्थान, जो बाद में कोकराझाड़ गवर्नमेंट कॉलेज बना और फिर विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त हुआ, वर्षों से बीटीआर के शैक्षिक परिदृश्य पर एक स्थायी और प्रभावशाली छाप छोड़ रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बीटीआर क्षेत्र में उच्च शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के ठोस प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने घोषणा की कि विश्वविद्यालय के लिए एक पूर्णकालिक कुलपति की नियुक्ति इस वर्ष अप्रैल तक कर दी जाएगी। उन्होंने राज्य की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि बीटीआर के लोगों की गरिमा बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए व्यापक शैक्षिक संसाधन प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने छात्रों को ज्ञान और बुद्धिमत्ता की खोज में समर्पित होने के लिए स्वयं को प्रेरित करने के महत्व को भी रेखांकित किया, जो न केवल बीटीआर में शैक्षिक प्रगति को बढ़ावा देगा बल्कि राज्य के व्यापक विकास पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के विकास के लिए 50 करोड़ की वित्तीय सहायता की घोषणा की। इस कार्यक्रम में हस्तकला, मंत्री यूजी ब्रह्म, बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोडो, सांसद जयंता बसुमतारी, बीटीसी के उप-प्रमुख कार्यकारी सदस्य गोबिंद चंद्र बसुमतारी, कार्यकारी सदस्य, परिषद के सदस्य और अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कोकराझाड़ में बाथौ पूजा समारोह के अवसर पर आयोजित एक आध्यात्मिक अनुष्ठान में भी भाग लिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस पवित्र पूजा का आयोजन बीटीआर के लोगों में शांति, प्रगति और समृद्धि की भावना को और मजबूत करेगा। इस शुभ अवसर पर उन्होंने जनता को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल आचार्य ने निवर्तमान डीजीपी जीपी सिंह को दी विदाई

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज शाम असम राजभवन में प्रदेश के निवर्तमान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह को गर्मजोशी से विदाई दी। उन्होंने सिंह को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के नए महानिदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए बधाई दी। राज्यपाल आचार्य ने सिंह की असम राज्य के प्रति समर्पण भावना की सराहना की और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने असम में कानून व्यवस्था बनाए रखने में सिंह के योगदान की भी सराहना की। पुलिस महानिदेशक के रूप में सिंह ने असम के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर मेहनत की। इस विदाई कार्यक्रम में डीजीपी सिंह की पत्नी डॉ. अनामिका सिंह, राज्यपाल के सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम् और राजभवन के अधिकारी उपस्थित रहे।

कोकराझाड़ में चार दिवसीय झूमुर नृत्य कार्यशाला का शुभारंभ

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ के 4 नंबर बाउखुंगुड़ी विधान सभा क्षेत्र (एलएसी) के तहत आयोजित झूमुर बिनंदिनी कार्यशाला का उद्घाटन आज कार्यकारी पार्षद (ईएम) विल्सन हसदा द्वारा किया गया। यह सांस्कृतिक कार्य मामलों विभाग, असम सरकार की एक महत्वाकांक्षी सांस्कृतिक पहल की शुरुआत का प्रतीक है। 31 जनवरी को समाप्त होने वाली चार दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य पारंपरिक झूमुर नृत्य और संबंधित प्रथाओं के माध्यम से असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाना, संरक्षण करना और उसे बढ़ावा देना है। इस कार्यशाला में झूमुर, असम की सांस्कृतिक पहचान से गहराई से जुड़ी एक पारंपरिक नृत्य शैली, के महत्व को रेखांकित किया गया है। इसमें विभिन्न पृष्ठभूमियों के प्रतिभागियों को इस बहुमूल्य कला रूप को सीखने और अपनाने के लिए एक साथ लाया गया है। उद्घाटन समारोह के दौरान, बीटीसी के कार्यकारी पार्षद विल्सन हासदा ने प्रतिभागियों से बातचीत की और उनकी उत्सुकता और क्षेत्रीय परंपराओं को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने इस प्रकार की पहलों की भूमिका पर जोर दिया, जो सांस्कृतिक जीवंतता को संरक्षित करने और कौशल विकास को बढ़ावा देने में सहायक हैं। कार्यक्रम में सहायक आयुक्त ध्रुवज्योति दास, अन्य अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया और इस कार्यक्रम को अपना समर्थन दिया।

पथरूघाट के शहीद किसानों को कृषि मंत्री बोरा, भाजपा अध्यक्ष सैकिया ने दी श्रद्धांजलि

दरंग (हिंस)। ऐतिहासिक पथारुघाट विद्रोह की स्मृति में आज दरंग जिले में 131वां किसान शहीद दिवस मनाया गया। असम सरकार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री अतुल बोरा तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने 140 शहीद किसानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि 28 जनवरी 1894 को ब्रिटिश सरकार द्वारा बढ़ाए गए अन्यायपूर्ण लगान के खिलाफ विरोध करते हुए पथारूघाट में सात किसानों ने अपने प्राण त्याग दिए थे। इस अवसर पर सांसद तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया व अतुल बोरा ने एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया। ब्रिटिश सरकार की अत्याचारी नीतियों के खिलाफ क्षेत्र के हजारों लोगों ने पथारूघाट में इकट्ठा होकर विद्रोह का बिगुल फूंका था। शांतिपूर्ण विरोध के दौरान ब्रिटिश सैनिकों ने हमला कर 140 निहत्थे किसानों की हत्या कर दी और 150 से अधिक लोग घायल हो गए थे। उनकी याद में हर साल 28 जनवरी को

किसान शहीद दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष के कार्यक्रम का आयोजन राज्य सरकार और दरंग जिला प्रशासन ने मिलकर किया। इस दौरान कृषि मंत्री अतुल बोरा, वन मंत्री चंद्रमोहन पटवारी, सांसद तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया, विधायक डॉ. परमानंद राजवंशी समेत कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सांसद दिलीप सैकिया ने कहा कि पथारुघाट को राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया जाना चाहिए। इस दिशा में हम काम कर रहे हैं और संसद में विधेयक भी पेश किया गया है। लेकिन, कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। जैसे ही शहीदों की सूची और सटीक विवरण तैयार होगा, राष्ट्रीय स्मारक की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सैकिया ने यह भी कहा कि राज्यपाल और भारतीय सेना भी इस पवित्र स्थल के विकास के लिए प्रयासरत हैं। हम इस ऐतिहासिक स्थल को राष्ट्रीय मानचित्र पर एक स्वतंत्रता के प्रतीक स्थल के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। भारतीय डाक विभाग ने इस अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। किसान शहीद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित स्मारक सभा में कृषि मंत्री अतुल बोरा ने अपने छात्र जीवन के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि आज पथारुघाट का यह स्थल विकास के नए चरण में प्रवेश कर चुका है।

सनातन धर्म पर कांग्रेस पार्टी ने फिर किया हमला : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता मनोज बरुवा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेले को लेकर दिए गए बयान को *सनातन विरोधी* करार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की। प्रवक्ता ने कहा कि खड़गे का यह बयान न केवल आपत्तिजनक है, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था और विश्वास पर चोट करने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी और इसके नेताओं द्वारा भारत की सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं पर बार-बार प्रहार किया जाता रहा है। मनोज बरुवा ने कहा कि कांग्रेस नेताओं का सनातन धर्म विरोधी रुख कोई नया नहीं है। 2010 में तत्कालीन गृहमंत्री पी चिदंबरम ने हिंदुओं को आतंकवादी कहा था। 2013 में गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने भी हिंदुओं को आतंकवादी कहने पर माफी मांगी थी। 2021 में राहुल गांधी ने हिंदुत्ववादियों को देश से बाहर करने की बात कही थी। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि कर्नाटक कांग्रेस के वर्तमान मंत्री सतीश जरकिहोली ने हिंदू शब्द को गंदा करार दिया था और इंडी गठबंधन के नेताओं ने हिंदू धर्म की तुलना कोरोना वायरस और कीड़ों से की थी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन कांग्रेस पार्टी का लगातार सनातन संस्कृति पर प्रहार करना निंदनीय है। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस के इन बयानों की कठोर शब्दों में निंदा करती है।

सम्मेलन की कामरूप शाखा ने चाबी पुल प्राथमिक विद्यालय में गणतंत्र दिवस मनाया

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा द्वारा गोद ली गई स्कूल आठगांव चाबीपुल प्राथमिक विद्यालय में कामरूप शाखा, गुवाहाटी ग्रेटर शाखा, गुवाहाटी महिला शाखा और मारवाड़ी महिला एकता मंच ने संयुक्त रूप से गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, प्रांतीय महामंत्री विनोद लोहिया, संयुक्त मंत्री पंकज पोद्दार व मनोज काला, सहायक मंत्री मक्खन अग्रवाल के अलावा अरुण अग्रवाल, कृष्णा कुमार जालान, शाखा अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, शाखा सचिव संजय खेतान, महिला शाखा की अध्यक्ष संतोष शर्मा, गुवाहाटी ग्रेटर शाखा के अध्यक्ष दीपक पोद्दार, मारवाड़ी महिला एकता मंच की अध्यक्ष सरोज मित्तल व स्कूल के प्रधानाध्यापक हरिधन काकोटी ने तिरंगा पहरा कर व सलामी देकर राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। शाखाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, दीपक पोद्दार, सरोज मित्तल ने स्वागत संबोधन से सभी अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने अपने संबोधन में गणतंत्र दिवस की शुभकामनाओं के साथ अपना संबोधन दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण देश भक्ति गीत था। जिसमें स्थानीय गायिका संतोष शर्मा, संदीप चमड़िया, विनोद शर्मा, प्रभात शर्मा, संपत मिश्र, अशोक मालू, लोकेश आर्यन व सरोज मित्तल ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। देशभक्ति गीतों की लय पर प्रांतीय अध्यक्ष, प्रांतीय महामंत्री सहित सभी पदाधिकारी एवं सदस्य घंटे तक झूम कर नृत्य करते रहे। मारवाड़ी महिला एकता मंच ने इस अवसर पर स्कूली छात्रों के बीच चॉकलेट वितरण की। कार्यक्रम के अंत में स्कूली छात्र-छात्राओं सहित सैकड़ों लोगों को स्वादिष्ट भोजन कराया गया।

समारदलनी में हाईस्कूल छात्रसंघ का चुनाव संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। दक्षिण नागशंकर हाई स्कूल, समार दलनी में सोमवार को छात्र संघ के लिए चुनाव आयोजित किया गया था। कुल 16 छात्रों ने 6 विभागों के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए थे। आज छात्र संघ के लिए आम चुनाव हुए, जिसमें छात्रों ने भाग लिया और मतपत्रों के माध्यम से अपने वोट डाले। संवाददाता से बातचीत करते हुए स्कूल के प्रधानाध्यापक बल्लव चापागाईं ने बताया कि छात्र चुनाव कराने का मुख्य उद्देश्य छात्रों को मतदान प्रणाली का व्यावहारिक ज्ञान देना तथा उन्हें पूरी चुनाव प्रक्रिया से अवगत कराना है। इस प्रक्रिया में चुनाव की सभी प्रक्रियाओं का पालन किया गया जैसे नामांकन पत्र दाखिल करना, प्रचार करना, पोस्टर लगाना, मतपत्रों पर वोट डालना गिनती करना आदि सभी का पालन किया गया।

रंगिया : सम जिला प्रशासन ने हर्षोल्लास के साथ मनाया गणतंत्र दिवस

रंगिया (विभास)। देश के विभिन्न स्थानों के साथ-साथ रंगिया सम जिला प्रशासन ने भी 26 जनवरी, रविवार को देश का 76वां गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस मौके पर स्थानीय उच्चतर माध्यमिक खेल मैदान प्रांगण में केंद्रीय रूप से विशिष्ट अतिथि रंगिया सम जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी ने राष्ट्रीय ध्वज पहराया। इस मौके पर देश के लिए अपना बलिदान देने वाले शहीदों का स्मरण करते हुए उन्होंने अपने भाषण में उपस्थित लोगों को राज्य और केंद्रीय सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत किया। वहीं ध्वजारोहण के दौरान स्थानीय शंकरदेव शिशु निकेतन के छात्र छात्राओं ने राष्ट्रगीत की प्रस्तुति दी। अगले कार्यक्रम में कार्यकम विभिन्न विद्यालय और महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, स्काउट एंड गाईड, पुलिस विभाग आदि द्वारा परेड का प्रदर्शन किया गया। इसके पश्चात सम जिले के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा विभिन्न झांकियां प्रदर्शित की गई और देशभक्ति के गीतों के साथ विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान योगाचार्य ज्योतिष कलिता के नेतृत्व में साधना योग महाविद्यालय और साधना के शिक्षार्थियों ने योग प्रदर्शन किया। वहीं दूसरी ओर रंगिया सम जिला प्रशासन द्वारा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रमों के अंतर्गत पौधरोपण, स्वच्छता अभियान, बाईक

रैली, विभिन्न प्रतियोगिताएं सहित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। गणतंत्र दिवस के दिन कार्यक्रम की शुरुआत जनसंपर्क विभाग द्वारा अनुभाष यंत्र द्वारा प्रभात गीतांजलि और देशभक्ति के गीतों के साथ प्रात: 5-30 बजे की गई। इसके पश्चात सम जिले के सभी आवास स्थलों में राष्ट्रीयध्वज फहराए जाने के बाद प्रात: 7-30 बजे विभिन्न शिक्षण संस्थानों, सरकारी तथा गैर सरकारी कार्यालयों और प्रतिष्ठानों में राष्ट्रीय ध्वज पहराया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि सम जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी ने कई अधिकारियों और गणमान्य लोगों की उपस्थिति में सुबह 8-45 बजे रंगिया के बीचों बीच गांधी मंडप स्थित जातीय पिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और रंगिया स्थित कृषक शहीद भवन प्रांगण स्थित स्मृति स्तंभ पर शहिद तर्पण किया।

रंगिया पुलिस ने अभियान चलाकर संदिग्ध हेरोइन सहित दो तस्करों को पकड़ा

रंगिया (विभास)। रंगिया पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार सोमवार को एक तलाशी अभियान चलाकर सफलता हासिल की है। थाना प्रभारी नवजीत नाथ के नेतृत्व में नगर परिदर्शक बिष्णु बरुवा तथा रंगिया पुलिस की एक टीम द्वारा नगर के वार्ड नंबर 2 स्थित रेलवे स्टेशन के पास शाम करीब 5-30 बजे यह अभियान चलाया गया। जिसमें संदिग्ध हेरोइन भर्ती 9 प्लास्टिक के कंटेनरों सहित दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों द्वारा संदिग्ध हेरोइन का वजन 13 ग्राम बताया गया है। इस अभियान में तस्करों द्वारा व्यवहार किए जा रहे दो मोबाईल फोन भी जब्द किए गए है। गिरफ्तार किए गए ड्रग्स तस्कर क्रमश: वार्ड नंबर 5 के अब्दुल कादिर उर्फ मिथुन और वार्ड नंबर 3 के आकाश मिश्रा बताया गया है। दोनों ड्रग तस्करों को संदिग्ध हेरोइन के साथ एनडीपीएस अधिनियम के तहत शुरूआती कानूनी कार्रवाई के लिए रंगिया पुलिस स्टेशन लाया गया है।

बंगाईगांव में पूप्रामायुमं का 17वां प्रांतीय अधिवेशन का आयोजन 18 मार्च से

बंगाईगांव। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच का 17वां प्रांतीय अधिवेशन बंगाईगांव शहर में बंगाईगांव शाखा एवं बंगाईगांव जागृति शाखा के आतिथ्य में आगामी 18 से 20 मार्च को स्थानीय होटल जाह्नवी के मैदान में आयोजित होगा। पिछले दिनों पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान, प्रांतीय महामंत्री सुभाष सुराणा ने अन्य प्रांतीय पदाधिकारियो के साथ बंगाईगांव की दोनों शाखाओ के साथ बैठक कर अधिवेशन की तारीखों का एलान किया। इस दौरान उनके साथ इस मंडल के उपाध्यक्ष बिनीत हरलालका, प्रांतीय कोषाध्यक्ष प्रेरणा सेठिया व अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। बंगाईगांव शाखा अध्यक्ष पीयूष सुराणा की अध्यक्षता में आयोजित सभा में दोनो शाखाओं के पदाधिकारि एवं सदस्यों ने बंगाईगांव को अधिवेशन का आतिथ्य देने के लिए प्रांतीय अध्यक्ष तथा प्रांतीय कार्यकारिणी का आभार जताया और कहा कि यह अधिवेशन हमारे लिए महाकुंभ की तरह होगा और अधिवेशन को यादगार बनाने के लिए मंच की दोनो शाखाएं अपना सत प्रतिशत सहयोग तथा पूरे समाज के साथ मिलकर कार्य करते हुए इसे पूर्ण सफल करेगी। मौके पर उपस्थित बंगाईगांव जागृति शाखा की अध्यक्षा संजू भंसाली ने बताया कि अधिवेशन को लेकर हमारी शाखा की सभी सदस्यो में काफी उत्साह है और हम सब मिलकर इस अधिवेशन को यादगार बनाएंगे। मंच के प्रांतीय अध्यक्ष श्री पंकज जालान ने कहा कि बंगाईगांव शाखा इससे पहले भी दो बार प्रांतीय खेलकूद एवं कार्यकारिणी का सफल सम्पादन कर चुकी है तथा मेरे अध्यक्षीय कार्यकाल की प्रथम कार्यकारणी सभा भी बंगाईगांव में हुई आयोजित हुई थी और संयोग से इस कार्यकाल की अंतिम कार्यकारिणी भी अधिवेशन के साथ बंगाईगांव में सम्पन्न होने जा रही है। ज्ञात हो कि अधिवेशन को सफल करने के लिए तथा विभिन्न कार्यों का जायजा लेने के लिए प्रांतीय अध्यक्ष हाल ही में दो बार बंगाईगांव का दौरा कर चुके हैं।

रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह संपन्न

होजाई (निसं)। होजाई स्थित रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह का आयोजन आज महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव क्षेत्र (विश्वविद्यालय के पुराने परिसर) में किया गया। जिसमें असम के राज्यपाल व रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलपति लक्ष्मण प्रसाद आचार्य उपस्थित थे। वहीं गुवाहाटी विश्वविद्यालय के उप कुलपति प्रोफेसर नानी गोपाल महंत विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उक्त समारोह में राज्यपाल ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन विद्यार्थियों के लिए त्यौहार है। आज उनके परिश्रम सही मायने में सफल हुआ है। उन्होंने कहा छात्र-छात्राओं से अधिक खुशी उनके माता-पिता व गुरुजनों को होगी, छात्रों की सफलता के पीछे माता-पिता व गुरुओं की अहम भूमिका होती है। राज्यपाल ने आगे कहा यह विश्वविद्यालय सामान्य नहीं है, यह कवि गुरु रवींद्रनाथ टैगोर के नाम पर है और सभी विद्यार्थियों को हर समय यह याद रखना चाहिए कि उनकी वजह से विश्वविद्यालय का नाम कभी खराब ना हो। उन्होंने आगे कहा सिर्फ किताब पढ़ने से कोई महान नहीं बनता महान बनने के लिए लोगों को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाना पड़ता है। हमें अपनी पढ़ाई का मान रखते हुए हमे देश की उन्नति में अहम भूमिका निभाने होगा। उन्होंने कहा हमारी भारतीय संस्कृति वासुदेव कुटुंबकम की है, व हमें ऐसा ही संदेश देती है। वहीं उन्होंने आगे महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि आज उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है कि बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं आज इस दीक्षांत समारोह में भी ज्यादा से ज्यादा संख्याओं में लड़कियों ने डिग्रियां हासिल की जो की सराहनीय है उन्होंने कहा कि बेटियां आगे बढ़ेगी तभी तो देश आगे बढ़ेगा। राज्यपाल ने यह भी कहा की पढ़ाई का अर्थ यह नहीं हुआ कि हम जीवन में नौकरी हासिल करें हमें अपने शिक्षा के बल पर आत्मनिर्भर

होकर हमें दूसरों की नौकरी देनी चाहिए। वह सही शिक्षा कहलाएगी। वही विशेष अतिथि प्रोफेसर नानी गोपाल महंत ने अपने संबोधन में विस्तार से रविंद्रनाथ टैगोर के शिक्षा दर्शन पर अपने विचार रखें। उन्होंने जोर देते हुए कहा है कि रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एक अग्रणी शिक्षा संस्थान की भूमिका निभाते हुए शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लेकर आएगा। उन्होंने आगे कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वह रविंद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय के मूल्यों को आजीवन अपने जीवन में अपनाते हुए आगे बढ़े। वहीं अंत में उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। वही विश्वविद्यालय के उप कुलपति प्रोफेसर मानवेंद्र दत्त चौधरी ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए गर्व का दिन है। उन्होंने कहा कि रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एक उदाहरण है कि कैसे एक शिक्षा संस्थान के शिक्षकों व विद्यार्थियों के निरंतर कड़ी मेहनत के बल पर आगे बढ़ सकता है। उन्होंने आगे कहा कि यह विश्वविद्यालय एक ऐसी जगह स्थित है जो की भारत की विभिन्नता में एकता की एक झलक है। गौरतलब है, असम सरकार ने उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए होजाई महाविद्यालय को विश्वविद्यालय में उन्नतिकरण करने के लिए 2017 में रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय अधिनियम एक्सएक्सएक्सएकपांच लागू किया था। उल्लेखनीय है कि होजाई महाविद्यालय की स्थापना 11 जुलाई ,1964 को स्थानीय जागरूक लोगों के संरक्षण में हुआ था। वहीं रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय अधिनियम 16 अक्तूबर, 2017 को लागू हुआ था। दूसरे दीक्षांत समारोह में, गुवाहाटी विश्वविद्यालय के असमिया विभाग के प्रोफेसर, प्रतिष्ठित साहित्यकार उपेन राभा हकाचम को असमिया भाषा और संस्कृति में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए *लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड* से सम्मानित किया गया। उन्हें प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न और एक लाख रुपए का चेक देकर सम्मानित किया गया।

संपादकीय

सुशासन की गश्त

प्रवास के पांव चले मुख्यमंत्री ने जो जमीन तलाशी, उसी के ललाट पर है उम्मीदों की कहानी छिपी। शीतकालीन प्रवास के कई कार्यक्रम थे, लेकिन इससे इतर जब मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू चले तो यह सुशासन की गश्त बन गई। दरअसल इसी गश्त की जरूरत में पूरा हिमाचल चाहता है कि सरकारें सुशासन के कदमों पर चलें। दूसरी ओर राज्य को अगर अपने पांव पर चलना है तो जनता को भी इसी के साथ चलना होगा। अंततः प्रदेश तभी चलेगा, जब इसके खजाने में अपनी कमाई का प्रसार और फिजूलखर्ची के रिसाव में कमी आएगी। हमने जरूरत से ज्यादा ओढ़ ली ख्वाहिशें, दिक्कत यह कि परवरदिगार हमारे सपने में भी नहीं आता। इसी असंतुलन की लंबी परछाई को काटने के लिए प्रदेश की मानसिकता बदलनी होगी, वरना मुफ्त की बिजली और कर रहित सुविधाओं की बरसात में हिमाचल का बजट अकालग्रस्त होकर चकनाचूर हो जाएगा। आज विकास का प्रत्येक कदम इतने दलदल लांघ चुका है कि राज्य सरकार केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर के तीस करोड़ भुगतान से पीछा छुड़ा रही है। केंद्रीय संस्थानों की मिट्टी भरते-भरते भी क्या प्रदेश को चूना लग रहा है। तर्क तो यही है कि पहले भूमि अधिग्रहण की कसरतों में पसीना-पसीना होता है, फिर जंगलात महकमे की आबरू में हिमाचल की गैर वन भूमि की रक्षा का कवच उतर जाता है। ऐसे में अपने ही जंगल की जमीन पर पांव रखने की कीमत हिमाचल कब तक भरे, लेकिन प्रदेश को पर्यावरण का ही अभियुक्त बनाने में एक वर्ग खड़ा रहता है। हर तरह की भूमि जंगल नहीं हो सकती, लेकिन हमने मान लिया कि 70 प्रतिशत जमीन पर जंगलात महकमे की बादशाहत रहे और यही बादशाहत हर आर्थिक विकास की आंख की किरकिरी बनी रहती है। हम भले ही पूर्ण राज्यत्व के 55वें वर्ष में प्रवेश कर गए, लेकिन क्या इससे आर्थिक संपूर्णता मिली। यह दीगर है कि पहले पहाड़ पर राज्य का होना विशेषाधिकार प्राप्ति के संसाधन या वित्तीय राहत देता था, लेकिन आज 90 प्रतिशत के बजाय 50:50 की भागीदारी में केंद्र स्मार्ट सिटी जैसी परियोजनाओं में हिमाचल की परीक्षा को कठिन बनाता जा रहा है। कमोबेश यही स्थिति आत्मनिर्भरता के हर कदम पर केंद्र के सख्त पहरे की वजह बनकर हमारी मजबूरियां बढ़ाता रहा। हम केंद्र का सहारा खोजते-खोजते अपने संसाधनों की सही ढंग से पैरवी नहीं कर सके, नतीजतन बीबीएमबी और केंद्रीय विद्युत परियोजनाएं आज तक प्रदेश के संसाधनों की गाढ़ी कमाई खा रही हैं। वाटर सेस के फार्मूले की उधेड़बुन में आर्थिक सजा पा रही है। हम खुश रहे कि हमने आर्थिक बौनेपन पर कई स्कूल, कालेज, मेडिकल कालेज, विश्वविद्यालय और तकनीकी शिक्षा के संस्थान चढ़ा लिए, लेकिन अब ये संस्थान आर्थिक कब्र साबित हो रहे हैं। अब वक्त आ गया है कि हम अपने पर खुद ही कतर दें। पर कतरने का यथार्थ यह भी कि हमने जरूरत से ज्यादा संस्थान खोले थे अनुपयोगी बीज बो दिए और जो अब भयावह कांटों का जंगल बन चुका है। बजट पर बजट और बजट के लिए उधार पर उधार इसलिए चढ़ रहा है क्योंकि सरकारी कर्मचारियों के वेतन भत्ते और पेंशन का भुगतान जी का जंजाल बन चुका है। हमने दो-ढाई हजार डाकबंगले बना लिए तो इनका विनिवेश क्यों न किया जाए। अब दर्जनों के हिसाब से स्कूल और कालेज क्यों न बेकार माने जाएं। अगर किसी जमा दो स्कूल में छात्र सौ या इससे कम संख्या में हों और वहां प्रवक्ताओं और गैर टीचिंग स्टाफ की संख्या बीस के करीब हो, तो लगभग बीस लाख खर्च कर देने से कौन सी उपलब्धि हासिल होगी जबकि परिणाम की सुर्खियों में तो निजी स्कूल ही छाए रहते हैं। इसी तरह अगर निजी निवेश या सार्वजनिक संपत्तियों या संस्थानों के विनिवेश पर तवज्जो दी जाए, तो यह प्रदेश अपने मुफ्त के लंगर समेत बच सकता है। यहां उल्लेखनीय है कि जब मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के कदम धर्मशाला के बाल जमा दो स्कूल तक पहुंचे तो मालूम हो गया कि इस संस्थान की प्रासंगिकता है कितनी कमजोर।

शीतकालीन प्रवास के कई कार्यक्रम थे, लेकिन इससे इतर जब मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू चले तो यह सुशासन की गश्त बन गई। दरअसल इसी गश्त की जरूरत में पूरा हिमाचल चाहता है कि सरकारें सुशासन के कदमों पर चलें। दूसरी ओर राज्य को अगर अपने पांव पर चलना है तो जनता को भी इसी के साथ चलना होगा। अंततः प्रदेश तभी चलेगा, जब इसके खजाने में अपनी कमाई का प्रसार और फिजूलखर्ची के रिसाव में कमी आएगी। हमने जरूरत से ज्यादा ओढ़ ली ख्वाहिशें, दिक्कत यह कि परवरदिगार हमारे सपने में भी नहीं आता। इसी असंतुलन की लंबी परछाई को काटने के लिए प्रदेश की मानसिकता बदलनी होगी, वरना मुफ्त की बिजली और कर रहित सुविधाओं की बरसात में हिमाचल का बजट अकालग्रस्त होकर चकनाचूर हो जाएगा। आज विकास का प्रत्येक कदम इतने दलदल लांघ चुका है कि राज्य सरकार केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर के तीस करोड़ भुगतान से पीछा छुड़ा रही है। केंद्रीय संस्थानों की मिट्टी भरते-भरते क्या प्रदेश को चूना लग रहा है

सर्वेक्षण के अनुसार शहरी और ग्रामीण इलाकों में घरेलू खर्च का जो पहले अंतर रहता था, वह लगातार घटता चला गया

गांवों की खुशहाली मापने के लिए बनाएं नए मानदंड

उमेश चतुर्वेदी

देश सिर्फ ग्रामीण संस्कृति और कृषि व्यवस्था के लिए ही नहीं, सहकार और शिल्पकारी के लिए भी वैश्विक पहचान रखते रहे हैं। सोने की चिड़िया कहे जाने वाले दौर में भी भारतीय कृषि और आर्थिकी के आधार गांव ही रहे। यह बात और है कि अंग्रेजी शासन के दौरान से भारतीय गांवों का पतन शुरू हुआ। इसके बाद भारतीय गांव गरीबी और मजबूरी के पर्याय माने जाने लगे।

दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाले अपने देश की पहचान उसके गांव रहे हैं। देश सिर्फ ग्रामीण संस्कृति और कृषि व्यवस्था के लिए ही नहीं, सहकार और शिल्पकारी के लिए भी वैश्विक पहचान रखते रहे हैं। सोने की चिड़िया कहे जाने वाले दौर में भी भारतीय कृषि और आर्थिकी के आधार गांव ही रहे। यह बात और है कि अंग्रेजी शासन के दौरान से भारतीय गांवों का पतन शुरू हुआ। इसके बाद भारतीय गांव गरीबी और मजबूरी के पर्याय माने जाने लगे। लेकिन घरेलू उपयोग और खर्च के ताजा सर्वेक्षण की रिपोर्ट बता रही है कि गांवों की आर्थिक तस्वीर बदलने लगी है।

भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से घरेलू उपयोग और खर्च के लिए कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार शहरी और ग्रामीण इलाकों में घरेलू खर्च का जो पहले अंतर रहता था, वह लगातार घटता चला गया है। अगस्त 2023 से जुलाई 2024 के दौरान किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक, ग्रामीण और शहरी भारत में प्रति व्यक्ति औसत मासिक खर्च 4,122 रुपये और 6,996 रुपये हो गया है। जबकि पहले यानी 2022 से 2023 के बीच यह खर्च क्रमशः 3,773 रुपये और 6,459 रुपये थाय यानी शहरी और ग्रामीण भारत की प्रति व्यक्ति खर्च दर में बड़ा अंतर था। मोटे तौर पर यह आंकड़ा बता रहा है कि हाल के दिनों में ग्रामीण इलाकों में आर्थिक समृद्धि पहले की तुलना में बढ़ी और उस लिहाज से खर्च भी बढ़ा है।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की 68 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, जबकि 32 प्रतिशत आबादी शहरों में है। स्वाधीन भारत में विशेषकर उदारीकरण के बाद जिस तरह का विकास मॉडल हमने अपनाया, उसमें शहरी विकास पर सबसे ज्यादा फोकस रहा, ग्रामीण विकास या तो रस्मी रहा या फिर उस पर फोकस शहरों की तुलना में कम रहा। शहरों की ओर रोजगार और जीवन सुविधाएं केंद्रित होती चली गईं। शिक्षा के भी बेहतर अवसर गांवों की तुलना में शहरों की ओर बढ़ते गए। इस लिहाज से ग्रामीण क्षेत्रों से सबसे ज्यादा पलायन रोजगार और शिक्षा के लिए हुआ। फिर जिन परिवारों के पास सहूलियतें बढ़ीं, उन परिवारों ने अपनी हैसियत और बजट के लिहाज से मुफीद पाए जाने वाले शहरों की ओर रहने के लिए रूख किया। यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण आबादी का जो अनुपात आबादी के

समय था, वह आज बदल चुका है। आजादी के वक्त तकरीबन 80 फीसद से ज्यादा लोग गांवों में रहते थे, अनुमान है कि वह घटते-घटते अब साठ और पैंसठ फीसद के बीच आ गई है। रिकॉर्ड पर ग्रामीण आबादी का इतना बड़ा हिस्सा भले ही गांवों में बसता हो, लेकिन हकीकत यह है कि इसमें एक बड़ा हिस्सा शहरों में रोजी-रोटी और शिक्षा के लिए कभी शौकिया तो कभी मजबूरीवश रहने को मजबूर है। इसलिए रिकॉर्ड की तुलना में वास्तविक ग्रामीण आबादी अब और भी कम हो चुकी है।

घरेलू खर्च के इस नए आंकड़े को देखते वक्त हमें इस संदर्भ पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल हमें यह भी ध्यान देना होगा कि ग्रामीण इलाकों में खाद्यान्न विशेषकर गेहूं और चावल पर खर्च में निजी या पारिवारिक खर्च में कमी आई है। इसकी वजह यह है कि सरकार की ओर से तमाम तरह की योजनाएं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रम चल रहे हैं। मुफ्त खाद्यान्न योजना समेत कई अन्य सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के जरिये मुफ्त में मिल रही चीजों की कीमतों को ध्यान में रखें तो घरेलू खर्च के ये आंकड़े ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए क्रमशः 4,247 रुपये और 7,078 रुपये हो जाते हैं। मौजूदा कीमतों के संदर्भ में देखें तो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति खर्च पर औसत आठ और नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। साल 2011-12 में शहरी और खपत खर्च के बीच 84 प्रतिशत का अंतर था, जो 2022-23 में घटकर 71 प्रतिशत हो गया। जो अब 70 फीसद ही रह गया है। इन आंकड़ों से ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खुशहाली की तसवीर सामने आती है। दिलचस्प यह है कि इस आंकड़े में खाने-पीने के अलावा की चीजों पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च 60 और 53 प्रतिशत रहा। इसका मतलब साफ है कि अब ग्रामीण इलाकों में भी वाहन, कपड़े, बिस्तर, जूते, मनोरंजन एवं टिकाऊ आदि सामानों पर खर्च बढ़ा है। इससे साफ है कि उपभोक्तावाद ने ग्रामीण इलाकों पर भी जोरदार दस्तक दी है। वैसे ऑनलाइन स्टोर से गांवों में खरीददारी बढ़ी है और उनके डिलीवरी एजेंटों की बाइकें अब ग्रामीण इलाकों का भी खूब चक्कर लगा रही हैं। पिछले साल मई में रिजर्व बैंक ने भी ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खपत खर्च को लेकर ऐसे ही आंकड़े जारी किए थे। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने उम्मीद जताई थी कि भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी रहेगी और देश की जीडीपी दर मे 7.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो सकती है। लेकिन रिजर्व बैंक ने इसी रिपोर्ट में ग्रामीण इलाकों में बढ़ते कर्ज को लेकर भी रिपोर्ट जारी की थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट में भी कर्ज को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसके मुताबिक, कर्ज लेने में ग्रामीण क्षेत्रों के लोग कहीं ज्यादा आगे हैं। गांवों में प्रति एक लाख लोगों में 18,714 लोग ऐसे हैं, जिन्होंने कोई न कोई कर्ज ले रखा है, जबकि शहरों में यह आंकड़ा 17,442 प्रति लाख ही है। साफ है कि उपभोक्तावाद ग्रामीण संस्कृति को बदलने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। कर्ज कभी गांवों के लोगों के लिए सिरदर्द होते थे, इसलिए वहां बचत केंद्रित आर्थिकी पर जोर था। लेकिन अब इसमें गिरावट आई है। इसका मतलब साफ है कि गांवों में खर्च भले ही बढ़ रहा है, लेकिन यह भी सच है कि गांवों की तसवीर अभी कम से कम वैसी नहीं हो पाई है, जिस स्तर पर शहरी तसवीर है।

गांवों का समृद्ध होना जरूरी है। हाल के दिनों में जनसंख्या को बढ़ाने और न बढ़ाने को लेकर सियासी तौर पर अपने-अपने तर्क दिए जा रहे हैं। इन तर्कों के अपने आधार हो सकते हैं। लेकिन इससे शायद ही कोई इनकार करेगा कि भारत के शहरों की सांस अगर फूल रही है तो इसकी बड़ी वजह उनकी ओर बेतहाशा हो रहा पलायन और उस बड़ी जनसंख्या के लिए इस्तेमाल हो रहे उपभोक्ता वस्तुओं का बड़ा योगदान है। भारत में आबादी बढ़ाने की जगह आबादी के समन्वित और संतुलित वितरण की जरूरत ज्यादा है। ग्रामीण इलाकों में आबादी को रोकने की कोशिश होनी चाहिए।

दृष्टि कोण

गांधी जी का बहुआयामी व्यक्तित्व

गांधी के व्यक्तित्व का सम्यक आकलन करना आसान नहीं है। गांधी एक आम साधारण इनसान, जो घर में छोटी मोटी चोरी भी बाल सहज क्रीड़ा में कर लेता। अपनी मां से प्राप्त धार्मिक संस्कारों को भी लगन से मानने वाला। लेकिन सच का आग्रही। जब विद्यालय में निरीक्षण के लिए आए बड़े अफसर के सामने अपना परीक्षा परिणाम अच्छा दिखने की होड़ में अध्यापक द्वारा कुछ नकल मार कर परीक्षा पत्र में सुधार का इशारा किया तो उसी गांधी ने उसे चुपचाप मानने से इंकार कर दिया। एक छोटी रियासत के वजीर का बेटा जिसे बैरिस्टर बनने के लिए इंग्लैंड भेजा गया। वो बैरिस्टर बना और अफ्रीका में एक कंपनी की वकालत करने के लिए गया। जहां देखा कि वहां की गोरी सरकार रंगभेद से इस तरह पीड़ित है कि ट्रेन में काला आदमी प्रथम दर्जे में सफर भी न कर सके। वकालत तो अपनी जगह थी ही, किन्तु वह चुप नहीं बैठा और रंगभेद के खिलाफ वहां की गोरी सरकार से भिड़ गया। और भिडंत भी ऐसी जो अभूतपूर्व थी। सत्याग्रही भिड़ंत। और उससे सफलताएं हासिल कीं। वकालत शुरू की तो तय किया कि झूठ की वकालत नहीं करूंगा। केस सच्चा होना चाहिए, तो जी-जान लगा कर लड़ा। धीरे धीरे वहां के जजों को भी पता लग गया कि गांधी झूठे केस नहीं लड़ता, तो एक बार अच्छे खासे पैसे देने वाले मुवक्किल का केस, यह पता लगने पर कि केस झूठा है, बीच में ही छोड़ दिया। जज ने वादी के विरुद्ध फैसला दिया। ऐसे मामलों में दुश्मनी तक की नौबत आ जाती है, किन्तु वह उस परदेस में भी डरा नहीं।

भारत में आया तो देश में कांग्रेस की कमान संभाली। इससे पहले कई तरह से आजादी की लड़ाई लडने वाले देशभक्त अपनी जान की परवाह किए बिना भी संघर्षरत थे। किन्तु लड़ाई आम आदमी की नहीं बन पा रही थी। गांधी ने देश की आध्यात्मिक नब्ज को पहचाना। जैसे विवेकानंद ने भी एक जगह कहा था कि भारतीय मन अध्यात्म से संचालित होता है, उसी सूत्र से देश के दूरदराज तक गांधी का संदेश पहुंचा। तब न तो मीडिया गांव गांव तक पहुंचा था और न ही अन्य संचार साधन। किन्तु जो भी टूटी फूटी व्यवस्था थी, उसके सहारे गांधी का संदेश देश के कोने कोने तक पहंचा और आजादी की लड़ाई सारी जनता का संघर्ष बन गया। आजादी प्राप्ति में अन्य विचारधाराओं के लोगों का भी योगदान रहा, किन्तु सबसे बड़ी चोट अंग्रेज सरकार की चूलें हिलाने के लिए गांधी की रही। उसने अहिंसा को अस्त्र बनाया, जिसका मुकाबला शस्त्र से करना आसान नहीं था। इसलिए गांधी को कुछ श्रद्धावान लोगों ने उन्हें राष्ट्रपिता की उपाधि से संबोधित किया। आज उस पर आक्षेप होते हैं। किन्तु गांधी ने खुद को राष्ट्रपिता कहलाने की कोई पहल नहीं की। कुछ ने उन्हें महात्मा कहना शुरू कर दिया और आम जनता ने इन दोनों संबोधनों को अंगीकार कर लिया। बिना किसी प्रचार के। उन्हें कोई राष्ट्रपिता और महात्मा कहे या न कहे, इसका गांधी के व्यक्तित्व पर कोई असर नहीं पड़ सकता। हां, उससे हमारी समझदारी के स्तर का जरूर खुलासा होता है कि हम अपने नायकों को कितना सम्मान देने की समझ रखते हैं। एक बात और, गांधी ने अपने आजादी के संघर्ष को केवल अंग्रेजों के विरुद्ध ही नहीं केन्द्रित रखा, बल्कि समाज में फैली छुआछूत जैसी विद्रूपताओं के खिलाफ इस काल खंड की सशक्त आवाज बना दिया। देश के लिए आत्मनिर्भरता का लक्ष्य तय किया और उसकी पूर्ति के लिए व्यावहारिक कार्यक्रम खादी और ग्रामोद्योग के रूप में लागू करने की पहल की। अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष में भी अंग्रेजी शासन व्यवस्था को समाप्त करने के लिए संघर्ष हुआ, किन्तु अंग्रेजों के खिलाफ बिना दुश्मनी का भाव रखे। यानी पाप से घृणा करो, पापी से नहीं। इस तरह के घोष वाक्य तो कई धर्मों में विद्यमान हैं, किन्तु उनको लागू कौन करता है? गांधी ने उनको सामाजिक जीवन तक विस्तारित किया और लागू करने की पहल की।

आजकल बहुत से लोग गांधी की छोटी छोटी बातों को तोड़मरोड़ कर उन्हें लांछित करने के प्रयासों में लगे रहते हैं, लेकिन वे इस बात पर गौर करने से बचते हुए निकल जाना चाहते हैं कि गांधी तो खुली किताब है। उसने तो अपनी आत्मकथा में सबके सामने अपने जीवन के हर पहलू को रख दिया है। और उसे नाम दिया सत्य के साथ मेरे प्रयोग। वह कहता है कि मैं असली सत्य तक पहंचने का दावा नहीं करता, किंतु दूसरे लोग इस खोज को और आगे बढ़ा सकते हैं, और सत्य के अनछुए पहलुओं को उजागर कर सकते हैं। लेकिन सत्य पर उनकी दृढ़ आस्था सनातन संस्कृति पर उनके विश्वास के कारण फलीभूत हुई थी। उन्होंने सत्य को ही ईश्वर माना था। 'सत्यं ज्ञानं अनंतं ब्रह्म', इस आप्त वाक्य पर ही उनका जीवन टिका लगता है। विवेकानंद ने कहा था कि मनुष्य स्वभाव से स्वार्थी है। किन्तु स्वार्थी होना कोई बुरी बात नहीं, बशर्ते हम स्वार्थ का दायरा व्यापक करते चले जाएं। अपने से, परिवार से, इलाका से, प्रान्त से, देश और विश्व तक, इसका विस्तार हो सकता है।

कुछ अलग

धर्मो रक्षति रक्षितः

नेता जी चौराहे पर माइक के सामने खड़े होकर उंगलियां उठा-उठा कर भाषण दे रहे थे। कभी वह दाएं हाथ की तर्जनी हवा में उठाते तो कभी बाएं हाथ की। वह युवाओं से धर्म की रक्षा का आवाह्न करते हुए कह रहे थे कि अगर धर्म की रक्षा के लिए हमें अपनी जान भी देनी पड़ी तो हमें पीछे नहीं हटना चाहिए। अगर हमने धर्म के लिए जान देना सीखा होता तो कोई माई का लाल हमें एक हज़ार साल तक ग़ुलाम बना कर नहीं रख सकता था। हमारी कायरता ने ही हमें सदियों तक विदेशियों की दासता स्वीकार करने पर मजबूर किया। लेकिन अब जागने का समय आ चुका है। उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक धर्म की पताका भूखंड के उन भागों पर न फहराने लगे, जो कभी भारतवर्ष कहलाता थे। जो धर्म विरोधी हैं, वे धर्म ही नहीं, देश के भी गद्दार हैं। ऐसे गद्दारों को अगर गोली भी मारनी पड़े तो हमें संकोच नहीं करना चाहिए। भले ही इसके लिए हमें जेल क्यों न जाना पड़े। हम एक रहने पर ही सुरक्षित रहेंगे। अगर बंटे तो कोई भी हमें गाजर-मूली की तरह काट कर फैंक सकता है। हमें अपनी बेटी, रोटी और माटी को घुसपैठियों से बचाना ही होगा। इसके बाद उन्होंने पूरे उत्साह के साथ बुलंद आवाज़ में संस्कृत का प्रसिद्ध श्लोक 'धर्मो रक्षति रक्षितः' पढ़ा। उनके इतना कहते ही उन्मादी भीड़ ने ज़ोर-ज़ोर से तालियां पीटना शुरू कर दीं और कई उत्साही युवा जय श्रीराम का उद्‌घोष करने लगे। भीड़ में वीर रस की धाराएं फूट पड़ीं। नेता जी संदर्भ सहित श्लोक की व्याख्या करते हुए कहने लगे, 'इस श्लोक का उद्धरण महाभारत के वन पर्व और मनुस्मृति के आठवें अध्याय में मिलता है। धर्म उन लोगों की रक्षा करता है जो इसकी रक्षा करते हैं। हमारे लिए यह गौरव का विषय है कि अंग्रेज़ी में धर्म के लिए कोई शब्द नहीं। अंग्रेज़ी में मिलने वाले इसके सबसे क़रीबी पर्यायवाची शब्द धार्मिकता और नैतिकता हैं। जो मनुष्य पुण्य का त्याग करता है, वह स्वयं नष्ट हो जाता है। जो व्यक्ति धर्म को सुरक्षित रखता है, धर्म उसकी रक्षा करता है। हमारा धर्म विश्व का सबसे प्राचीन धर्म है। अगर हम अपने धर्म की रक्षा करेंगे तो हमारा धर्म हमारी रक्षा करेगा। समय-समय पर भगवान ने स्वयं अवतार लेकर धर्म की रक्षा की है। अब हम भगवान के कल्कि अवतार की प्रतीक्षा कर रहे हैं।' नेता जी ने युवाओं में जोश भरते हुए उन्हें याद दिलाया कि अगले माह नगर में आयोजित होने वाली पूजा के बाद मूर्ति विसर्जन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि घुसपैठियों को अपने धर्म की शक्ति से अवगत करा दिया जाए। उन्होंने शोभा यात्रा और जुलूस का रूट चार्ट साझा करते हुए कहा कि इस दौरान हमें हर मस्ज़िद और मोहल्ले में भगवा झंडा लहराना है। उनके इतना कहते ही उन्मादी भीड़ पूरे जोश-ओ-ख़रोश के साथ अपने इष्ट के नारों से आकाश गुंजायमान करने लगी। नारे कान खाने लगे तो झुन्नू लाल चुपचाप वहां से खिसक लिए। शाम को पार्क में सैर के दौरान झुन्नू जी को नेता जी के दर्शन हो गए। औपचारिक दुआ-सलाम के बाद झुन्नू जी ने नेता जी से पूछा कि क्या वह वास्तव में धर्म की रक्षा के लिए जान दे सकते हैं? नेता जी झुन्नू जी को तिरछी निगाहों से घूरते हुए बोले, 'झुन्नू लाल जी क्यों मज़ाक करते हो? राजनीति अपनी जगह और धर्म अपनी जगह। हम अपनी सहूलियत के हिसाब से राजनीति की टकसाल में धर्म के सिक्के चलाते हैं। इन सिक्कों में चित भी हमारी होती है और पट भी। अगर हम जान दे देंगे तो देश कौन चलाएगा? धर्म तो भूखे लोगों की अफीम है और हम ठहरे अफीम के व्यापारी। आप ऐसा क्यों समझते हैं कि सिर्फ भगवा चोले वाले ही धर्म का दोहन करते हैं।

देश दुनीया से

महाकुंभ की आर्थिकी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हर 12 वर्ष में एक बार लगने वाला महाकुंभ मेला प्रारंभ हो चुका है। 13 जनवरी से शुरू यह महाकुंभ मेला 2025 एक भव्य आध्यात्मिक ही नहीं, अपनी विशालता और श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए, दुनिया भर के लिए एक अद्भुत आयोजन भी है। यह पवित्र समागम सदियों पुरानी परंपराओं और सांस्कृतिक भव्यता को भी दर्शाता है। इस त्योहार की उत्पत्ति हिंदु पौराणिक कथाओं में निहित है। माना जाता है कि यह त्योहार राक्षसों पर देवताओं की जीत का प्रतीक है। इसका उल्लेख पुराणों में तो मिलता ही है, जिनके अनुसार समुद्र मंथन के पश्चात कुंभ मेलों का आयोजन शुरू हुआ। कुंभ का मतलब है, अमृत से भरा पात्र। मान्यता है कि देवताओं और असुरों द्वारा समुद्र मंथन से जो अमृत निकला था, उसके पात्र को लेकर जब देवताओं और असुरों के बीच संघर्ष हुआ, तो अमृत की चार बूंदें भारत के चार स्थानों पर गिरीं: प्रयागराज (इलाहाबाद), हरिद्वार, उज्जैन और नासिक। तभी से ये स्थल कुंभ मेले के पवित्र स्थल बन गए, जहां भक्त नदियों में स्नान करके आध्यात्मिक मुक्ति पाने के लिए इक_ा होते हैं। महाकुंभ के मेले में बारंबार स्नान का भी एक विशेष महत्व है।

माना जाता है कि गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम पर स्नान करने से पाप धुल जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा समागम है, जिसमें लगभग 40 करोड़ लोग हिस्सा लेने वाले हैं। महाकुंभ के पहले ही दिन 13 जनवरी 2025 को पौष पूर्णिमा स्नान के अवसर पर 1.5 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई तो 14 जनवरी 2025 को मकर संक्रांति के अवसर पर 3.5 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। माना जा रहा है कि मौनी अमावस्या स्नान जनवरी 29 को होगा, जिसमें कम से कम 10 करोड़ लोग भाग लेंगे। फरवरी 03, 2025 को वसंत पंचमी स्नान, फरवरी 12, 2025 को माघी पूर्णिमा स्नान और फरवरी 26, 2025 को महाशिवरात्रि स्नान को मिलाकर कुल छह अमृत स्नान रहेंगे। दुनिया के लिए यह एक अचंभे से कम नहीं है कि एक ही स्थान पर 40 करोड़ श्रद्धालु आएंगे, जिसके लिए प्रशासन ने प्रयागराज में मेला स्थान को 3200 हेक्टेयर से बढ़ा कर 4000 हेक्टेयर कर दिया है। घाटों की लंबाई अब 12 किलोमीटर है जो 2009 में मात्र 8 किलोमीटर ही थी। कुंभ मेला एक स्थान पर नहीं, बल्कि ज्योतिषीय गणना के आधार पर चार अलग-अलग स्थानों पर लगता है। कुंभ मेले में 12 साल के अंतराल का कारण यह है कि वृहस्पति को सूर्य के चारों ओर एक चक्कर पूरा करने में 12 साल लगते हैं। कुंभ मेला वेबसाईट के अनुसार, जब बृहस्पति कुंभ राशि में होता है और सूर्य और चंद्रमा क्रमशः मेष और धनु राशि में होते हैं तो हरिद्वार में कुंभ आयोजित किया जाता है। जब बृहस्पति वृषभ राशि में होता है और सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में होते हैं तो कुंभ प्रयागराज में आयोजित किया जाता है। जब बृहस्पति सिंह राशि में होता है, सूर्य और चंद्रमा कर्क राशि में होते हैं तो कुंभ नासिक और त्रयंबकेश्वर में आयोजित किया जाता है, यही कारण है कि इन्हें सिंहस्थ कुंभ भी कहा जाता है। यह वृहत और लगातार होने वाला आयोजन, हमारे प्राचीन खगोल विज्ञान को भी प्रमाणित करता है।

आर्थिक गतिविधियों का समागम : जानकारों का मानना है कि 46 दिन चलने वाले महाकुंभ मेला देश की जीडीपी में एक प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकता है। प्रदेश की जीडीपी में तो उससे कहीं ज्यादा वृद्धि हो सकती है। हालांकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की गणना के अनुसार, महाकुंभ में अपेक्षित 40 करोड़ लोग 5 हजार रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से खर्च करे तो इससे 2 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक प्रभाव होगा। लेकिन कुछ अन्य लोगों का मानना है कि प्रति व्यक्ति खर्च 10 हजार रुपए तक हो सकता है, जिसका मतलब है कि 4 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक प्रभाव। यह गणना बिना आधार के नहीं है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2019 के कुंभ ने 1.2 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त जीडीपी का सृजन किया था। इस मेला में 24 करोड़ लोगों ने भाग लिया था, जो 2013 के मेला से दोगुना था। यानी इस बार 40 करोड़ लोगों की अपेक्षित भागीदारी के चलते 4 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक प्रभाव, अस्वाभाविक नहीं है। सरकार द्वारा इस मेला में 7500 करोड़ रुपया खर्च किया जाना है, जिसमें राज्य सरकार का हिस्सा 5400 करोड़ और केंद्र सरकार का हिस्सा 2100 करोड़ रुपए का है। योगी आदित्यनाथ का यह भी कहना है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा अस्थायी शहर है। कुंभ मेला, एक विशाल हिंदू तीर्थयात्रा और त्यौहार है, जिसे 2017 में यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में अंकित किया गया था। यह मान्यता एक अद्वितीय और अमूल्य सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के रूप में त्यौहार के महत्व को उजागर करती है, जो भारत की समृद्ध आध्यात्मिक परंपराओं को प्रदर्शित करती है और विविध समुदायों के बीच एकता को बढ़ावा देती है। ध्यातव्य है कि बिना किसी बड़ी बाधा के कुंभ का मेला हजारों वर्षों से आयोजित होता आ रहा है। हालांकि, 2019 कुंभ की व्यवस्थाएं भी कमतर नहीं थीं और 2017 के यूनेस्को द्वारा कुंभ को दी गई मान्यता के अनुरूप ही थी, जिससे भारत की अद्वितीय पैमाने पर आयोजन की क्षमता का प्रदर्शन हुआ। महाकुंभ 2025 की व्यवस्थाएं एक अलग स्तर और पैमाने पर एक प्रबंधकीय चमत्कार को दर्शाती हैं। सुरक्षित और व्यवस्थित स्नान के लिए 8 नए घाट जोड़े गए हैं। भीड़भाड़ से बचने के लिए उन्नत भीड़ प्रबंधन तकनीक, बेहतर परिवहन बुनियादी ढांचा और कई अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। हम देखते हैं कि विशाल स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल, सुविधाएं, सौर ऊर्जा संचालित प्रकाश व्यवस्था और आरामदायक आश्रय कुछ उल्लेखनीय व्यवस्थाएं हैं।

महाकुंभ 2025 के प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की भी अहम भूमिका होने की उम्मीद है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) संचालित और ड्रोन द्वारा समर्थित भीड़ नियंत्रण प्रणाली और समर्पित मोबाइल ऐप-मार्गों, घाटों के समय, मौसम अपडेट और आपातकालीन सेवाओं पर वास्तविक समय की जानकारी प्रदान कर रहे हैं। महाकुंभ 2025 में हरित पहल शून्य अपशिष्ट नीति द्वारा निर्देशित है।

आप का नजरीया

मध्य वर्ग पर चुनावी लड़ाई

दिल्ली में राजनीति और चुनाव 'जातीय' कम होते हैं। इस बार चुनाव 'वर्ग' पर आधारित होता जा रहा है। यह पहली बार हो रहा है कि चुनाव में आर्थिक मुद्दों की गूंज है। पहली बार ही किसी राजनीतिक दल ने 'मध्य-वर्ग' पर विशेष घोषणा-पत्र जारी किया है। यह काम भी केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) ने किया है। अभी तक चुनाव में आर्थिक मुद्दों के संदर्भ में 'मुफ्त की रेवड़ियों' का शोर था। एक सामाजिक और विशेषज्ञ पक्ष इसे 'रेवड़ी' मानने को तैयार नहीं है। उसका मानना है कि जनता का पैसा जनता के कल्याण पर खर्च किया जा रहा है, वंचित और गरीब तबके की मदद की जा रही है, तो इसमें गलत, अनैतिक और अर्थव्यवस्था-विरोधी क्या है? दूसरा पक्ष इसे सरेआम 'रिश्वतखोरी' करार देता है, क्योंकि मतदाता को कुछ नकदी, मुफ्त का लालच देकर उसका वोट हासिल किया जा रहा है, लेकिन एक वर्ग ऐसा है, जो देश के आर्थिक संसाधनों की 'रीढ़' है, लेकिन चुनावों में अभी तक उपेक्षित रहा है। उस वर्ग में डॉक्टर, इंजीनियर, सरकारी कर्मचारी, सरकारी पेंशनभोगी, बैंकर, एक खास वर्ग के पत्रकार, अध्यापक, प्रोफेसर आदि ऐसे पेशेवर लोग आते हैं, जो आयकर और अन्य करों के रूप में देश को 'खजाना' मुहैया कराते हैं। औसतन 100 रुपए कमाते हैं, तो 30 फीसदी कर चुकाना पड़ता है। आयकर देने वाला यह वर्ग आबादी का मात्र 4-5 फीसदी ही है। कुछ और लोग भी हैं, जो परोक्ष रूप से करदाता हैं और देश की अर्थव्यवस्था के संचालक हैं। वैसे जीएसटी और कुछ उपकर ऐसे हैं, जो देश की करीब 65 फीसदी आबादी को चुकाने ही पड़ते हैं। इनमें आम आदमी भी शामिल है, लेकिन मध्य-वर्ग ऐसा है, जिसे निचोड़ा जाता रहा है, लेकिन बदले में वह 'रेवड़ियों' की अपेक्षा भी नहीं करता। वह मुफ्तखोरी का पक्षधर नहीं है। अरबपति उद्योगपतियों का एक खास वर्ग है, जिसे किसी भी पार्टी की सत्ता पाल-पोस कर रखती है। इस वर्ग के 14.56 लाख करोड़ रुपए से अधिक के कर्ज बैंकों को 'बट्टे खाते' (राइट ऑफ) में डालने ही पड़ते हैं। एक अरबपति को 6500 करोड़ रुपए का कर्ज मिला, लेकिन जब यह मामला आपस में सैटल किया गया, तो अरबपति को 1500 करोड़ रुपए का ही भुगतान करना पड़ा। देश में 400-500 'औद्योगिक मित्र' ऐसे हैं, जिनके 10 लाख करोड़ रुपए का कर्ज सरकार ने माफ करा दिया। बेशक यह वर्ग भी मतदाता है, लेकिन यह वर्ग सरकारें संचालित करता है। सरकार से सिर्फ इतनी अपेक्षा रखता है कि वह उसके मोटे कर्जों को 'बट्टे खाते' में डलवाती रहे अथवा हजारों करोड़ रुपए के कर्ज के बदले उसे कुछ सौ करोड़ रुपए ही चुकता करने पड़ें। मध्य-वर्ग में भी अपर, अद्र्ध अपर, मिडिल और लोअर वर्ग हैं। उनका मूल्यांकन उनके वेतन के आधार पर किया जाता है, क्योंकि आयकर भी उसी के अनुसार तय होता है। मध्य-वर्ग ऐसा है, जो गेहूं के साथ घुन की तरह पिसता रहा है। हालांकि यह वर्ग परिभाषित नहीं है, लेकिन माना जाता है कि दिल्ली में करीब 67 फीसदी आबादी मध्य-वर्ग के दायरे में आती है। देश में औसतन 31 फीसदी मध्य-वर्ग माना जाता है।

महाकुंभ दुनिया को बता रहा कितनी गहरी है भारतीय संस्कृति की जड़ें

महाकुंभ नगर (हिंस)। गंगा, यमुना और अंत: सलिला सरस्वती के संगम पर चल रहे महाकुंभ में जल का ही नहीं, बल्कि धर्म, पंथ और आध्यात्मिक विचारधाराओं का भी अभूतपूर्व संगम देखने को मिल रहा है। यह आयोजन न केवल हिंदू धर्म के वैदिक मंत्रों और ऋचाओं का स्वर गुंजा रहा है, बल्कि भगवान बुद्ध के शांति संदेश, गुरु नानक की गुरबानी और संत कबीर के वचनों से भी वातावरण को आध्यात्मिक और विविधतापूर्ण बना रहा है। महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, यह भारतीय समाज की गहराई और बहुलता को एक मंच पर दिखाने का प्रयास है। यहां गुरबानी, बुद्ध के उपदेश और कबीर के वचन के माध्यम से मानवता, शांति और आध्यात्मिक जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। महाकुंभ का यह अनोखा संगम हमें सिखाता है कि भले ही रास्ते अलग-अलग हों, लेकिन मंजिल सभी की एक है- प्रेम, शांति और आत्मज्ञान। महाकुंभ के सेक्टर 19 स्थित निर्मल अखाड़ा में हर सुबह गुरबानी की गूंज श्रद्धालुओं को एक अलग आध्यात्मिक अनुभूति करा रही है। सुबह 4 बजे *इक ओंकार सतनाम करता पुरख...* के साथ गुरबानी का पाठ शुरू होता है, जिससे हर कोना गूंज उठता है। सुबह 6 से 8 बजे कीर्तन के मधुर स्वर श्रद्धालुओं को एक आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देते हैं। 8 से 9:30 बजे गुरु ग्रंथ साहिब का अखंड पाठ किया जाता है, जो हर व्यक्ति को ध्यान और आत्मविश्लेषण की ओर प्रेरित करता है। 9:30 से 11:30 बजे संतों के प्रवचन और कथा में सिख धर्म के दस गुरुओं के उपदेश श्रद्धालुओं को मानवीयता और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। निर्मल अखाड़ा में साधु-संतों और श्रद्धालुओं के बीच सिख धर्म की शिक्षाओं और गुरु नानक देव जी के विचारों को साझा करने का यह संगम महाकुंभ के विविधतापूर्ण धार्मिक परिवेश का उत्कृष्ट उदाहरण है। सेक्टर 18 में स्थित हिमालय बौद्ध संरक्षण सभा और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के शिविरों में भगवान बुद्ध के उपदेश एक अद्वितीय शांति और आध्यात्मिकता का अनुभव करा रहे हैं। सुबह 6 बजे विपश्यना ध्यान की विशेष सत्र के साथ दिन की शुरुआत होती है। सुबह 7 से 9 बजे भगवान बुद्ध के उपदेशों का पाठ होता है। *सत्य ही सबसे बड़ा धर्म है* और *भूतकाल व भविष्य की चिंताओं से मुक्त रहना* जैसे संदेश जीवन में शांति और स्थिरता का मार्ग दिखा रहे हैं। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बौद्ध भिक्षु और लामा दूसरे शिविरों में जाकर अपने विचार साझा करते हैं। शाम 6 से 8 बजे विशेष पूजा सत्र में बुद्ध के जीवन और विचारों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। यह शिविर न केवल बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए खुला है, जो शांति और आध्यात्मिकता की तलाश में है। महाकुंभ में सेक्टर 22 स्थित संत श्रीअसंग देव धर्मार्थ ट्रस्ट के शिविर में कबीरपंथी संत असंगदेव की उपस्थिति श्रद्धालुओं को कबीर के अमर वचनों से रूबरू करा रही है। सुबह 5:30 बजे शिविर में घंटी बजाकर श्रद्धालुओं को जागने का संकेत दिया जाता है। सुबह 6 से 8 बजे ध्यान और पूजा-पाठ के बाद कबीर के विचारों का पाठ किया जाता है। दोपहर 2 से 5 बजे संगोष्ठी और कथा में कबीर के वचन सुनाए जाते हैं। संत असंगदेव *जब लग आश शरीर की...* जैसे विचारों के माध्यम से आत्ममोह और सांसारिक बंधनों को छोड़ने की प्रेरणा दे रहे हैं। कबीर के दोहों और वचनों की गूंज जीवन के मूलभूत सत्य और आध्यात्मिक शुद्धता का एहसास कराती है। यह शिविर कबीर की सरल भाषा में छिपे गहरे संदेशों को समझने का एक अद्भुत मंच है। महाकुंभ का यह अनोखा पक्ष जहां गुरबानी, बुद्ध के उपदेश और कबीर के वचन एक साथ गूंज रहे हैं, यह दर्शाता है कि भारतीय संस्कृति की जड़ें कितनी गहरी और व्यापक हैं। यहां हर धर्म और पंथ के विचारधाराओं का सम्मान और आदान-प्रदान हो रहा है। यह आयोजन न केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित है, बल्कि यह विविधता में एकता का प्रतीक भी बन गया है। यह धार्मिक संगम हर श्रद्धालु के लिए भावनात्मक और आध्यात्मिक यात्रा का अवसर है। यहां आकर लोग न केवल अपने ईष्ट की आराधना करते हैं, बल्कि अन्य धर्मों और पंथों की शिक्षाओं को भी आत्मसात करते हैं। यह महाकुंभ भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता का सजीव उदाहरण है। महाकुंभ में कबीरपंथी संतों के प्रवचन और कबीर के दोहों का पाठ श्रद्धालुओं को जीवन की गहराइयों और व्यवहारिकता का पाठ सिखा रहा है। उनके दोहे दुनियादारी में संतुलन और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। कबीर का दर्शन सिखाता है कि जीवन सादगी, ईमानदारी और आत्मचिंतन से संतुलित होता है। उनकी वाणी हमें सांसारिक मोह-माया से ऊपर उठकर एक संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा देती है। महाकुंभ के कबीरपंथी शिविरों में श्रद्धालु इन्हीं दोहों के माध्यम से दुनियादारी की गहरी सीख पा रहे हैं।

मंगलवार के दिन मीट की दुकानें खुलने पर नौ दुकानें की सीज 36 हजार का किया चालान

जयपुर (हिंस)। नगर निगम हेरिटेज की पशु प्रबंधन शाखा ने मंगलवार के दिन मीट की दुकानें खुलने पर नौ दुकानों को सीज किया है। साथ ही नियमों की पालना नहीं करने पर 36 हजार रुपए का जुर्माना भी वसूल किया है। इस संबंध में हेरिटेज निगम के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश शर्मा ने बताया कि हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण हसीजा की ओर से मंगलवार को मीट मछली की दुकानों को नहीं खोलने के आदेश दे रखे है, इसके बावजूद क्षेत्र में कई जगहों पर मीट की दुकानें खोलने की शिकायतें मिल रही थी। ऐसे में आयुक्त अरुण हसीजा के निर्देश पर पशु प्रबंधन शाखा उपायुक्त सीमा शर्मा के नेतृत्व में पशु प्रबंधन शाखा की टीम ने रामगंज, शास्त्री नगर, आदर्श नगर, भोमिया जी की छतरी, भट्टा बस्ती, जगन्नाथ शाह का रास्ता इलाके में औचक निरीक्षण कर अवैध रूप से खुल रही नौ दुकानों को सीज कर दिया। साथ ही नियमों के विपरीत दुकान खुलने पर 36 हजार रुपए का चालान भी किया और 30 किलो अवैध मीट को जब्त कर नष्ट करा दिया। निगम की टीम ने सोमवार को भी पांच मीट की दुकानों को सीज किया था।

वर्ल्ड ट्रेड पार्क पर हुआ जयपुर मैराथन के टोर्च सेरेमनी का आयोजन

जयपुर (हिंस)। वर्ल्ड ट्रेड पार्क और संस्कृति युवा संस्था की ओर से आयोजित *दौड़ते कदमों का उत्सव* 16वीं एयू जयपुर मैराथन के टोर्च सेरेमनी मंगलवार सुबह वर्ल्ड ट्रेड पार्क पर की गई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए मुकेश मिश्रा ने जयपुर मैराथन के पूर्व आयोजनों पर बात करते हुए मुख्य अतिथियों को 16वीं एयू जयपुर मैराथन के कार्यक्रमों से अवगत कराया। टोर्च सेरेमनी में ऑक्सफोर्ड स्कूल के बच्चों को फिट रहने का सन्देश दिया। जयपुर नगर निगम ग्रेटर के उपमहापौर, पुनीत कर्णावट ने जयपुर मैराथन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जयपुर मैराथन इस शहर की पहचान बन चुका है। हर साल की तरह इस बार भी *हम पहला सुख निरोगी काया* की परिकल्पना को ध्यान में रखते हुए दौड़ में भाग लेंगे। कार्यक्रम संयोजक पंडित सुरेश मिश्रा ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस बार मैराथन के माध्यम से हम जयपुर में सुगम यातायात के लिए नियमों से शहरवासियों को अवगत करवाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें अपने आप से प्रेम जताने के लिए इस दौड़ का हिस्सा बनें। कार्यक्रम के अंत में मशाल जलाकर फिट रहने का सन्देश दिया। टोर्च सेरेमनी में फाइनेंस एंड स्ट्रैटजी प्रेसिडेंट गौरव जैन, जीवनरेखा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर साकेत अग्रवाल, हैंड सर्जरी डिपार्टमेंट के अध्यक्ष विनीत अरोड़ा, विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी के सीईओ ओंकार बगड़िया, रेस डायरेक्टर रवि गोयनका, सुशील कुलहरि, अंशुल जैन और दीपक शर्मा सहित आयोजक पंडित सुरेश मिश्रा और मुकेश मिश्रा उपस्थित रहे।

राजस्थान राज्य महिला आयोग ने 25 हजार 248 प्रकरण निस्तारित किए : रेहाना रियाज

अजमेर (हिंस)। राजस्थान राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेहाना रियाज चिश्ती ने बताया कि महिला आयोग के पास विभिन्न माध्यमों से प्रतिदिन लगभग 5 प्रकरण आते है। गत 3 वर्षों में 11 हजार 609 प्रकरण प्राप्त हुए। आयोग द्वारा पूर्व के बकाया प्रकरणों को मिलाकर 25 हजार 248 प्रकरण निस्तारित किए गए। वर्तमान में आयोग के पास 2 हजार 564 प्रकरण प्रक्रियाधीन है। इन प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित कर पीड़िताओं को राहत देने के लिए आयोग संकल्पबद्ध है। राजस्थान राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बुधवार को सर्किट हाऊस में मीडिया से बात कर ही थी। उन्होंने कहा कि वे आज जन सुनवाई के लिए आई है इसमे संभाग के विभिन्न जिलों से आई महिलाओं ने अपनी परिवेदनाएं प्रस्तुत की हैं। जन सुनवाई में पारिवारिक कलह, दहेज प्रताड़ना, सम्पत्ति विवाद, उत्पीड़न एवं बलात्कार जैसे अपराधों

से संबंधित प्रकरण प्राप्त हुए है। उन्होंने बताया कि महिला आयोग प्रकरण के प्राप्त होते ही सक्रियता के साथ कार्य करने लगता है। आयोग के सदस्य, अधिकारी एवं न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े अधिकारी कर्मठता एवं ईमानदारी के साथ कार्य करते है। पीड़िता को राहत पहुंचाने के लिए प्रत्येक स्तर से संपर्क किया जाता है। समस्त प्रकरणों पर त्वरित न्याय दिलाने की भावना के साथ आयोग कार्य करता है। झूठा प्रकरण दर्ज करवाने वालों के विरुद्ध भी कार्रवाई करते है। अध्यक्ष ने बताया कि राज्य के समस्त संभागों पर बैठक एवं जन सुनवाई का कार्यक्रम रखा गया है। इस अवसर पर महिला आयोग के जज बृज माधुरी शर्मा, सदस्य सुमन यादव, सदस्य सचिव विरेन्द्र सिंह यादव, उप सचिव अनिल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मिताली गर्ग एवं महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक जगदीश चौधरी उपस्थित रहे।

सूर्य सप्तमी पर सूर्य नमस्कार में आमजन की भागीदारी भी सुनिश्चित करें : शिक्षा मंत्री

जयपुर (हिंस)। स्कूल शिक्षा विभाग पिछले वर्ष की भांति इस बार भी सूर्य नमस्कार में नया विश्व रिकॉर्ड रचने की तैयारी कर रहा है। सूर्य सप्तमी के अवसर पर प्रदेश के सभी राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में एक साथ तीन फरवरी को सूर्य नमस्कार किया जाएगा। इस दौरान गत वर्ष 78, 974 स्कूलों में 1.33 करोड़ विद्यार्थियों द्वारा सूर्य नमस्कार में बने विश्व रिकॉर्ड को ब्रेक करने का प्रयास किया जाएगा। शिक्षा संकुल में हुई एक बैठक में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने वीसी के जरिए जिला एवं ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय परंपरा से जुड़ा एक अहम हिस्सा है। प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करने से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि मन-मष्तिष्क भी शांत रहता है। उन्होंने सूर्य नमस्कार में एक बार फिर विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए आमजन को भी आयोजन का हिस्सा बनाने की अपील की।

जयपुर में 14 फरवरी को होंगे पंचायतीराज संस्थाओं के उपचुनाव

जयपुर (हिंस)। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 14 फरवरी 2025 को जयपुर जिले में पंचायतीराज संस्थाओं में विभिन्न कारणों से रिक्त हुए (जिन पदों का पांच वर्षीय कार्यकाल जनवरी, 2025 एवं मार्च 2025 में पूर्ण हो रहा है उनके अतिरिक्त) पदों पर उपचुनाव होंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए 29 जनवरी, 2025 को जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा लोक सूचना जारी की जाएगी। 3 फरवरी 2025 तक (रविवार, 2 फरवरी 2025 के अतिरिक्त) प्रतिदिन प्रात: 11 बजे से 3 बजे तक नाम निर्देशन पत्र स्वीकार किये जाएंगें। 5 फरवरी को सुबह 11 बजे से नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा होगी तो वहीं, 6 फरवरी को अपराह्न 3 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। शुक्रवार, 14 फरवरी, 2025 को सुबह 8 बजे से सांय 5 बजे तक मतदान होगा। शनिवार 15 फरवरी, 2025 को प्रात: 9 बजे से जिला मुख्यालय पर जिला परिषद सदस्य एवं पंचायत समिति मुख्यालय पर पंचायत समिति सदस्य के पद के लिए मतगणना होगी। सांभरलेक पंचायत समिति सदस्य संख्याक 13, कोटखावदा पंचायत समिति की बल्लुपुरा पंचायत, तूंगा पंचायत समिति की पालावाला जाटान पंचायत एवं चाकसू पंचायत समिति की थली पंचायत के सरपंच के लिए उप चुनाव होगा। सांभर लेक पंचायत समिति की जयसिंहपुरा पंचायत, कोटखावदा पंचायत समिति की बल्लुपुरा पंचायत एवं तूंगा पंचायत समिति की पालावाला जाटान पंचायत के उपसरपंच के लिए उपचुनाव होगा। उन्होंने बताया कि भैसवा पंचायत के पंच वार्ड संख्याक 10, विजयपुरा पंचायत के पंच वार्ड संख्याक 15, नटाटा पंचायत के पंच वार्ड संख्याक 2, काशीपुरा पंचायत के पंच वार्ड संख्याक 5, हरसूलिया पंचायत के पंच वार्ड संख्याक 6, हबसपुरा पंचायत के पंच वार्ड संख्याक 2, जयसिंहपुरा पंचायत के पंच वार्ड संख्याक 10, बल्लुपुरा पंचायत के पंच वार्ड संख्याक 1, 2, 3 एवं 4 में उपचुनाव होगा। वहीं तुंगा पंचायत समिति के पालावाला जाटान पंचायत के पंच वार्ड संख्याक 1, 2, 3, 4, 5, 6 एवं 7 के साथ साथ किशनपुरा पंचायत के पंच वार्ड संख्याक 5, 6 और 7 के लिए उपचुनाव होगा। उन्होंने बताया कि सरपंच एवं पंच के लिए 29 जनवरी, 2025 को जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा लोक सूचना जारी की जाएगी। 5 फरवरी 2025 तक प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से 5 बजे तक नाम निर्देशन पत्र स्वीकार किये जाएंगें। 6 फरवरी को सुबह 10 बजे से नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा होगी तो वहीं, 6 फरवरी को ही अपराह्न 3 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 6 फरवरी को नाम वापसी के निर्धारित समय के तुरंत पश्चात चुनाव प्रतिकों का आवंटन एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। शुक्रवार, 14 फरवरी, 2025 को सुबह 8 बजे से सांय 5 बजे तक मतदान होगा। मतदान समाप्ति के तुरंत पश्चात ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ही मतदान समाप्ति के तुरंत पश्चात मतगणना होगी। उपसरपंच के चुनाव के लिए 15 फरवरी 2025 को समस्त आवश्यक कार्रवाई पूर्ण करते हुए मतदान होगा और मतदान समाप्ति के तुरंत पश्चात मतगणना होगी। उप चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता भी तुरंत प्रभाव से लागू हो गई हैं।

केजरीवाल ने किया हरियाणा की जनता का अपमान, तुरंत माफी मांगे : अशोक सैनी

हिसार (हिंस)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा हरियाणा पर यमुना के जल को दूषित किए जाने के आरोपों पर पलटवार करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने केजरीवाल के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे भाजपा नेताओं ने कहा कि अरविंद केजरीवाल हरियाणा की जनता से माफी मांगे, अन्यथा प्रदेश की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। भाजपा ने जिला अध्यक्ष अशोक सैनी के नेतृत्व में मंगलवार को सिरसा रोड स्थित पार्टी कार्यालय के बाहर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। गुस्साए भाजपाइयों ने इन दोनों नेताओं का पुतला भी फूंका और इनको जमकर कोसा। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल जब हरियाणा में आते हैं तो खुद को हरियाणा का बेटा बताते हैं लेकिन शर्म की बात है कि उन्होंने हरियाणा की जनता पर यमुना को दूषित व प्रदूषित करने का आरोप लगाकर अपने प्रदेश की जनता को भी नहीं बख्शा। अपने इस आरोप के लिए अरविंद केजरीवाल को हरियाणा की जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हरियाणा व दिल्ली की जनता के हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी और आम आदमी पार्टी के खिलाफ बड़े से बड़ा संघर्ष करने से गुरेज नहीं करेगी। मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान जिला उपाध्यक्ष संजीव रेवड़ी, रणधीर सिंह धीरू, डॉ. वैभव बिदानी, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी संदीप आजाद, जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र सपरा, सह मीडिया प्रभारी राजकुमार, डॉक्टर दिव्या सेठी, मंडल अध्यक्ष राहुल सैनी, संजय सेहरा, सुशील बुड़ाकिया, अंबिका प्रसाद, सतीश मेहता, जोगिंदर शर्मा, सुभाष शर्मा, डॉ. रमेश आर्य, रंजीव राजपाल, पंकज दीवान व शाहिद सहित अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी एवं पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल के खिलाफ नारेबाजी कर रोज प्रकट किया।

शाहपुरा जिला बनाने की मांग पर ऐतिहासिक बंद, वकीलों ने निकाली वाहन रैली

भीलवाड़ा (हिंस)। शाहपुरा उपखंड मुख्यालय में मंगलवार को जिला बनाने की मांग को लेकर ऐतिहासिक बंद रखा गया। यह बंद अभिभाषक संस्था और जिला बचाओ संघर्ष समिति के आह्वान पर आयोजित किया गया, जिसमें शाहपुरा के तमाम व्यापारिक प्रतिष्ठान, बाजार, चाय की दुकानों, अल्पाहार केंद्रों, मेडिकल स्टोर्स और सब्जी विक्रेताओं ने पूर्ण सहयोग करते हुए अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। पिछले 27 दिनों से जारी आंदोलन के तहत मंगलवार को शाहपुरा में काला दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। इसके तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें आक्रोश रैली और महलों का चोक पर सभा का आयोजन प्रमुख रहे। इस आंदोलन में स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अभिभाषक संस्था के नेतृत्व में शाहपुरा के अधिवक्ताओं ने महलों का चोक से दोपहिया वाहनों की रैली निकाली। यह रैली शाहपुरा के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। अधिवक्ताओं ने इस दौरान नारेबाजी करते हुए राज्य सरकार से शाहपुरा को पुन: जिला घोषित करने की मांग की। संघर्ष समिति के संयोजक रामप्रसाद जाट ने इस बंद को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि शाहपुरा की जनता ने जिस तरह से आंदोलन का समर्थन किया है, वह सरकार को चेताने के लिए पर्याप्त है। समिति के अनुसार, यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब

तक शाहपुरा को जिला घोषित नहीं किया जाता। अभिभाषक संस्था के अध्यक्ष दुर्गालाल राजौरा ने कहा कि शाहपुरा की जनता ने अपनी एकजुटता और संघर्ष की ताकत का परिचय दिया है। बंद के सफल आयोजन से यह स्पष्ट होता है कि शाहपुरा के लोग अपनी मांग को लेकर गंभीर हैं और सरकार को जल्द फैसला लेना चाहिए। इससे पूर्व सोमवार की रात शाहपुरा के त्रिमूर्ति चैराहे पर लगे स्थानीय विधायक डॉ. लालाराम बैरवा के 20 फीट ऊंचे कटआउट को हटाने के बाद संघर्ष समिति के सदस्यों ने अपनी जीत का जश्न मनाया। इस दौरान आतिशबाजी की गई और इसे आंदोलन की बड़ी उपलब्धि माना गया। संघर्ष समिति के अनुसार, कटआउट हटाने के लिए उन्होंने पहले प्रशासन से अपील की थी, लेकिन कार्रवाई न होने पर मजबूर होकर शाहपुरा की एसीजेएम कोर्ट में इस्तगासा दायर किया गया। इसके बाद प्रशासन ने कटआउट को हटाया।

रात में खुलने वाली सीमांचल एक्सप्रेस ट्रेन में महाकुंभ जाने वालों का दिन में ही कब्जा

अररिया (हिंस)। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में 144 सालों के बाद लगे महाकुंभ मेला जाने के लिए श्रद्धालुओं में होड मची है। न केवल सीमांचल के अररिया, पूर्णिया, किशनगंज और कटिहार बल्कि नेपाल से भी बड़ी संख्या में सनातन धर्मप्रेमी महाकुंभ में त्रिवेणी संगम में स्नान करने के लिए कूच कर रहे हैं लेकिन महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात ये है कि जोगबनी से आनंद विहार नई दिल्ली के लिए जाने वाली सीमांचल एक्सप्रेस ट्रेन, जो जोगबनी से रात में पौने नौ बजे खुलती है, दिन में ही जोगबनी स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों का कब्जा हो जाता है, जिसके कारण आम यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विगत पांच दिनों से सीमांचल एक्सप्रेस ट्रेन का कमोबेश यही हालत है। अब तो हालात ये हैं कि महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालु ने केवल सामान्य बोगी में ही कब्जा जमा रहे हैं, बल्कि आरक्षित शयनयान और अन्य बोगियों में भी कब्जा बना ले रहे हैं, जिसके कारण पहले से आरक्षित सीट वाले यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को जोगबनी रेलवे स्टेशन पर खड़ी सीमांचल एक्सप्रेस ट्रेन की सभी बोगियों को खोलकर महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालु दिन से ही डटे रहे। सोमवार की रात फारबिसगंज रेलवे स्टेशन पर दर्जनों आरक्षित यात्रियों की ट्रेन छूट गई थी। जिसके कारण स्टेशन पर उन यात्रियों ने जमकर हंगामा मचाया था, जिसे शांत करने के लिए आरपीएफ और जीआरपी को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। दरअसल सीमांचल एक्सप्रेस ट्रेन के बोगियों को महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालु अंदर से लॉक कर दिए थे। बाहर में खड़े यात्री ट्रेन का दरवाजा को खोलने का गुहार लगाते रहे लेकिन अंदर बैठे यात्रियों ने बाहर खड़ यात्रियों की गुहार को अनसुनी कर दी। न केवल सामान्य बोगी को अंदर से लॉक किया गया था, बल्कि आरक्षित बोगियों को भी बंद कर दिया था। जिसके कारण स्टेशन पर खड़े दर्जनों यात्रियों की ट्रेन छूट गई थी और इसको लेकर यात्रियों ने फारबिसगंज स्टेशन पर टिकट के साथ जमकर हंगामा मचाया था।

हिंदू और बौद्ध परंपराएं करती हैं मानवता को जोड़ने का कार्य : कुंदलिंग रिंपोचे

अहिंसा, करुणा और आत्मबोध से लाई जा सकती है विश्व में शांति

महाकुंभनगर (हिंस)। दलाई लामा के आचार्य कुंदलिंग रिंपोचे ने कहा कि हिंदू और बौद्ध परंपराएं अहिंसा, करुणा और आत्मबोध के माध्यम से मानवता को जोड़ने का कार्य करती हैं। इन मूल्यों को अपनाकर विश्व में शांति और सह-अस्तित्व की भावना को प्रोत्साहन दिया जा सकता है। साधना और अनुशासन के माध्यम से धर्म का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए, जिससे आध्यात्मिक चेतना का विस्तार हो सके। वह मंगलवार को महाकुंभ के सेक्टर 18 स्थित विश्व हिंदू परिषद के शिविर में आयोजित बौद्ध सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री संगठन मिलिंद परांडे ने कहा कि भारत की धार्मिक परंपरा में सनातन संस्कृति अनेक पंथों को समाहित करने वाली रही है। भगवान बुद्ध की शिक्षाएं भी हिंदू समाज का अभिन्न अंग हैं। बुद्ध ने आत्मप्रदीपन (अप्प दीपो भव)

का संदेश दिया, जो हिंदू साधना पद्धति में भी निहित है। बौद्ध धर्म की करूणा और अहिंसा की अवधारणा हिंदू धर्म के मूलभूत सिद्धांतों से जुड़ी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि बौद्ध धर्म और हिंदू समाज की एकता किसी मत-वैभिन्न्य का नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। बौद्ध धर्म के संत-परंपरा, संन्यास, ध्यान और मूर्ति पूजा जैसे तत्व हिंदू परंपरा के समान ही हैं। बौद्ध समाज ने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन से लेकर हिंदू समाज की एकता में प्रारंभ से ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम में उपस्थित विद्वानों और धर्माचार्यों ने इस बात पर बल दिया कि हिंदू और बौद्ध परंपराओं के बीच सह-अस्तित्व और आध्यात्मिक समन्वय से न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व में शांति और करुणा का संदेश फैलाया जा सकता है। इस अवसर पर आका रिंपोचे त्सारिंग चाइजी (गंदेन चोसलिंग मठ, कर्नाटक), धम्मपिय भंते, गेशे डोंडुप (अभध्यिक्ष, बोमडिला मठ, अरुणाचल प्रदेश) तथा गेशे लामा छेपेल जोटपा सहित कई बौद्ध धर्माचार्य उपस्थित रहे। इसके अलावा विहिप के केंद्रीय सह महामंत्री संगठन विनायक राव देशपांडे , संयुक्त महामंत्री विश्व हिंदू परिषद कोटेश्वर शर्मा सहित अनेक बौद्ध भिक्षु और धर्माचार्य उपस्थित रहे। विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश के टूटिंग और तवांग संप्रदाय से आए लामा एवं भंते भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इसके अलावा, विदेशों से पधारे कई बौद्ध भिक्षुओं ने भी हिंदू-बौद्ध एकता को लेकर अपने विचार साझा किए।

राजद का शासनकाल बिहार की कानून-व्यवस्था पर बदनुमा दाग : उमेश सिंह कुशवाहा

पटना (हिंस)। बिहार जदयू के प्रदेश अध्यशा उमेश सिंह कुशवाहा ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि सियासी फायदे के लिए अपराधियों को संरक्षण देना राजद की परंपरागत राजनीति का हिस्सा रहा है और उनके 15 वर्षों के शासनकाल को याद करें तो इसके अनगिनत प्रमाण भी मिलते हैं। असल में राजद का शासनकाल बिहार की कानून-व्यवस्था पर बदनुमा दाग है। उन्होंने कहा कि राजद का राजनीतिक बुनियाद अपराध और भ्रष्टाचार पर टिका है इसलिए कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर उनकी चिंता पूरी तरह से बनावटी और दिखवाटी है। 15 वर्षों के कार्यकाल का इतिहास गवाह है कि राष्ट्रीय जनता दल ने अपने आपराधिक शागिर्दों को खाद-पानी देकर बिहार को जंगलराज के अंधकार में धकेलने का महापाप किया था। आज गिने-चुने घटनाओं को आधार बनाकर कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाने वाले जंगलराज का राजनीतिक विरासत संभाल रहे राजद के युवराज को यह जरूर याद रखना चाहिए उनके माता-पिता के दामन पर 119 से अधिक जातीय नरसंहार का बदनुमा दाग है जो कि सदियों तक नहीं धुलेगा। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि नीतीश सरकार में स्थापित सुशासन राज का सबसे ठोस प्रमाण यही है कि देश-दुनिया के निवेशक अब बिहार की ओर आकर्षित हो रहे हैं, सूबे में नए-नए उद्योग धंधे लग रहे हैं और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा है। साथ ही पर्यटकों की संख्या में भी रिकॉर्ड इजाफा हुआ है। वरना राजद की सरकार में तो खौफ का ऐसा वातावरण था कि यहां के डॉक्टर, इंजीनियर और व्यवसायी वर्ग पलायन करने पर मजबूर और बेबस थे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने बिहार को भय का माहौल से बाहर निकाला है परंतु जो लोग आज कानून-व्यवस्था का राग आलाप रहे हैं उन्हें अपने गिरेबान में झांककर जरूर देखना चाहिए।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार लगातार तीसरे दिन गिरावट नजर आ रही है। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये से लेकर 82,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 75,390 रुपये से लेकर 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 1,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमजोरी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 96,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 82,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 75,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 82,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 75,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 82,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 75,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारत में क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल में जोरदार बढ़ोतरी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की नवीन रिपोर्ट के मुताबिक क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल में भारत में जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले पांच सालों में क्रेडिट कार्ड की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा होकर लगभग 10.80 करोड़ हो गई है। डिजिटल भुगतान में भी भारत में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। कैलेंडर वर्ष 2013 में 222 करोड़ डिजिटल लेन-देन होते थे, जो कैलेंडर वर्ष 2024 में 20,787 करोड़ से अधिक हो गए। भारत में डिजिटल भुगतान की मात्रा में 45.9 प्रतिशत व मूल्य में 10.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़े हुए इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ पेमेंट सिस्टम और छूटी कार्ड में रूपये की वृद्धि बना रहता है। आरबीआई ने यूपीआई को दूसरे देशों की फास्ट पेमेंट सिस्टम से जोड़ने की कई कोशिशें की हैं, जिससे सीमा पार रेमिटेंस पेमेंट को बढ़ाया जा सके। भूटान, फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, सिंगापुर, श्रीलंका और यूएई में क्यूआर कोड के माध्यम से भारतीय यूपीआई ऐप का इस्तेमाल करके व्यापारियों को भुगतान सक्षम किया गया है। इनोवेशन और रेगुलेटरी सपोर्ट के साथ भारत का पेमेंट सिस्टम दुनिया भर में सबसे आधुनिक में से एक बन गया है।

सेबी ने 8 यूनिट्स को फ्रंट रनिंग मामले में प्रतिबंधित किया, 4.82 करोड़ रुपये की राशि जब्त

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने फिर से फ्रंट रनिंग के मामले में कड़ी कार्रवाई की है। सेबी ने 8 यूनिट्स को सिक्योरिटी मार्केट्स से प्रतिबंधित कर दिया है, जिन्होंने फ्रंट रनिंग के कथित तौर पर 4.82 करोड़ रुपये की राशि कमाई थी। फ्रंट रनिंग एक गैरकानूनी गतिविधि है जो शेयर बाजार में होती है। इसका मतलब होता है कि किसी व्यक्ति गैर सार्वजनिक जानकारी का इस्तेमाल करके लेन-देन कर रहा है। सेबी का कहना है कि ये इकाइयां फ्रंट रनिंग के सौदों में शामिल थीं और वे अधिनियमों का उल्लंघन कर रही थीं। सेबी ने इस मुद्दे पर कार्रवाई करते हुए आठ इकाइयों को प्रतिबंधित कर दिया है। उन्हें सेक्योरिटी मार्केट्स में खरीद-बिक्री या सौदेबाजी करने से अगले आदेश तक रोक दिया है। सेबी ने कहा है कि इन इकाइयों ने गगनदीप कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड के सौदों में फ्रंट रनिंग का इस्तेमाल किया था, जिससे बड़े नुकसान की संभावना थी। सेबी ने अब इन इकाइयों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की है और उन्हें अगले कदम तक रोक लगाई गई ।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बिना लॉक-इन और एग्जिट चार्ज के निवेश का मौका

नई दिल्ली। यूटीआई म्यूचुअल फंड ने अपना नया ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम 'यूटीआई निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग इंडेक्स फंड - रेगुलर प्लान' लॉन्च किया है। यह फंड निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग टीआरआई को ट्रैक करता है, जो भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की कंपनियों का प्रदर्शन दर्शाता है। इसका उद्देश्य इंडेक्स की परफॉर्मेंस के अनुसार रिटर्न देना है, हालांकि ट्रैकिंग एरर के चलते कुछ अंतर हो सकता है। यह न्यू फंड ऑफर 28 जनवरी को लॉन्च हो गया और 10 फरवरी 2025 को बंद हो जाएगा। इस स्कीम की खासियत यह है कि इसमें कोई लॉक-इन पीरियड नहीं है और न ही एग्जिट लोड लगेगा। इसका मतलब है कि निवेशक कभी भी अपने पैसे निकाल सकते हैं, और इसके लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। एनएफओ और प्लान्स में मिनिमम इन्वेस्टमेंट 1,000 रुपए है, जिसके बाद 1 रुपए के मल्टीपल्स में इन्वेस्टमेंट किया जा सकता है। फोलियो में दोबारा इन्वेस्टमेंट के लिए भी मिनिमम अमाउंट 1,000 रुपए है और 1 रुपए के मल्टीपल्स में आगे इन्वेस्ट किया जा सकता है। मैक्सिमम इन्वेस्टमेंट की कोई लिमिट नहीं है। यूनिट्स का अलॉटमेंट एप्लिकेबल स्टांप ड्यूटी और ट्रांजैक्शन चार्जेज डिडक्ट करने के बाद ही किया जाएगा। एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के ऑप्शन्स में डेली, वीकली और मंथली एसआईपी के लिए मिनिमम अमाउंट 500 रुपए है, जबकि क्वार्टरली एसआईपी के लिए 1,500 रुपए तय की गई है।

इंडेक्स शेयरों में हुई खरीदारी से मजबूती के साथ बंद हुआ घरेलू बाजार

आखिरी घंटे में मुनाफा वसूली के कारण ऊपरी स्तर से फिसले सेंसेक्स और निफ्टी

स्मॉल और मिडकैप शेयरों की गिरावट से निवेशकों को 1.16 लाख करोड़ का घाटा

नई दिल्ली

सोमवार को बड़ी गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने जोरदार वापसी की। के कारोबार में बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही, जिसके कारण दिन के कारोबार में सेंसेक्स 1,100 अंक से अधिक और निफ्टी 300 अंक से अधिक उछलने में सफल रहे। हालांकि, आखिरी 1 घंटे के कारोबार में दिन के ऊपरी स्तर पर हुई मुनाफा वसूली के कारण दोनों सूचकांक सर्वोच्च स्तर से नीचे गिर कर बंद हुए। पूरे के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.71 प्रतिशत और निफ्टी 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के अलावा रियल्टी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में भी लगातार खरीदारी होती रही। दूसरी ओर फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, पावर, यूटिलिटी, इंडस्ट्रियल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, ऑयल एंड गैस, मेटल, एफएमसीजी, आईटी और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 409.15 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 410.31 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 1.16 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,084 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,311 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,663 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 110 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,579 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 767 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,812 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 292.83 अंक की मजबूती के साथ 75,659 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक गिर कर 75,622.88 अंक के स्तर तक पहुंच गया, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से शाम 3 बजे के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स 1,146.79 अंक की मजबूती के साथ 76,512.96 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, ये सूचकांक इस ऊंचाई पर अधिक देर तक टिक नहीं सका। बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 611.55 अंक का गोता लगा कर 535.24 अंक की बढ़त के साथ 75,901.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 131.30 अंक उछल कर 22,960.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये सूचकांक गिर कर 22,857.65 अंक के स्तर पर आ गया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से का कारोबार खत्म होने के करीब एक घंटा पहले निफ्टी 308.80 अंक की तेजी के साथ 23,137.95 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि, इस ऊंचाई पर पहुंचने के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिससे निफ्टी दिन के ऊपरी स्तर से 180.70 अंक टूट कर 128.10 अंक की मजबूती के साथ 22,957.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज फाइनेंस 4.26 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 3.77 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 3.61 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 3.35 प्रतिशत और एचडीएफसी बैंक 2.49 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, सन फार्मास्यूटिकल 4.55 प्रतिशत, ब्रिटानिया 2.23 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 2.22 प्रतिशत, ग्रासिम 1.90 प्रतिशत और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 1.79 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

टियर 2 और टियर 3 बाजारों में 24 मिलियन नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे

नई दिल्ली

एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारतीय छोटे शहरों के तेज विकास से साल 2033 तक टियर 2 और टियर 3 शहर के बाजारों में लगभग 24 मिलियन नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की संभावना है। इसका 75 प्रतिशत हिस्सा पुरुष और 25 प्रतिशत हिस्सा महिलाएं होंगी। विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद का अनुमान है कि भारत में पर्यटन उद्यम की जीडीपी अगले दशक में 7.1 प्रतिशत सालाना बढ़ेगी।

भारत में पर्यटन उद्यम की जीडीपी अगले दशक में 7.1 प्रतिशत सालाना बढ़ेगी

वर्तमान में पर्यटन और आतिथ्य सेक्टर देश में रोजगार का लगभग 8 प्रतिशत योगदान करता है। रिपोर्ट के मुताबिक क्षेत्रीय खर्च 2034 तक 1.2 गुना बढ़ने की संभावना है और इससे देश में कुशल कार्यबल की मांग और अधिक बढ़ेगी। महामारी के प्रभाव के बाद अधिक कनेक्टिविटी और धार्मिक पर्यटन की लोकप्रियता के कारण टियर 2 और 3 शहर अब पर्यटन के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2028 तक, इस क्षेत्र से 59 बिलियन डॉलर का राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है और 2030 तक अस्थायी और स्थायी नौकरियां सृजित होंगी। धार्मिक पर्यटन केंद्र जैसे अयोध्या, वाराणसी, हरिद्वार और मथुरा इस वृद्धि का नेतृत्व कर रहे हैं। आगे बढ़ रहे शहरों में लखनऊ, जयपुर, कोच्चि और ऋषिकेश भी हैं। इन शहरों में नए ट्रेंड्स जैसे डेस्टिनेशन वेडिंग, एडवेंचर स्पोर्ट्स, इकोटूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन भी उभर रहे हैं।

इस क्षेत्र के विकास के लिए टूर गाइड, होटल स्टाफ और स्थानीय कारीगरों को अच्छे से प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।

फेडरल बैंक का मुनाफा तीसरी तिमाही में पांच प्रतिशत घटा

निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में पांच प्रतिशत घटकर 955 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले इसी तिमाही में बैंक ने 1,007 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 7,725 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 5,593 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में ब्याज आय भी बढ़कर 6,809 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 5,730 करोड़ रुपये थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, बैंक का सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) सालाना आधार पर 2.29 प्रतिशत से सुधरकर 1.95 प्रतिशत हो गया। इसी तरह शुद्ध एनपीए 0.64 प्रतिशत से घटकर 0.49 प्रतिशत हो गया।

पेटीएम पेमेंट्स के सीईओ नकुल जैन ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली

पेटीएम पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नकुल जैन ने इस्तीफा दे दिया है। नकुल जैन ने अपने खुद के कारोबारी सफर की शुरुआत करने के लिए अपना पद छोड़ा है। पेटीएम ने अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि पीपीएसएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नकुल जैन ने 31 मार्च, 2025 को कारोबारी समय समाप्त होने या आपसी सहमति से पहले की तारीख से अपने पद से इस्तीफा दिया है।

जैन ने एक उद्यमी यात्रा को आगे बढ़ाने का फैसला किया है, जिसके कारण उन्होंने यह निर्णय लिया है। बयान में यह भी कहा गया है कि हम उनके योग्य विकल्प की तलाश कर रहे हैं। पेटीएम ने कहा कि कंपनी नए नाम की घोषणा जल्द ही करेंगी। पेटीएम को अगस्त, 2024 में पीपीएसएल में डाउनस्ट्रीम निवेश के लिए सरकार से मंजूरी मिली थी। इसके बाद कंपनी ने पीए लाइसेंस के लिए फिर से रिजर्व बैंक के समक्ष आवेदन किया है। नोएडा मुख्यालय स्थित पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) एक प्रौद्योगिकी कंपनी है, जो पूर्ण-स्टैक भुगतान और वित्तीय समाधान प्रदान करती है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

चीन के एआई स्टार्टअप डीपसेक के झटके ने पिछले सत्र के कारोबार के दौरान अमेरिकी टेक शेयरों को पूरी तरह से हिला दिया, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट में पिछले सत्र के दौरान तीन प्रतिशत तक की गिरावट आ गई। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,012.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 610.90 अंक यानी 3.06 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 19,343.41 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 44,674.64 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 8,503.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,906.58 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 112.75 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 21,282.18 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 3 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। ताइवान, कोरिया, इंडोनेशिया और चीन के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से ताइवान वेटेड इंडेक्स, कोस्पी इंडेक्स, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है।

गिफ्ट निफ्टी 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,902.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.38 प्रतिशत उछल कर 3,811.06 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,232.68 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 420.59 अंक यानी 1.07 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 39,145.21 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 1,340.03 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

डीपसीक के हमले से विश्व के अमीरों की संपत्ति में भारी गिरावट, जुकरबर्ग और बेजोस को हुआ फायदा

मुंबई । चीनी एआई डेवलपर डीपसीक ने दुनिया भर के टॉप अमीरों की संपत्ति में भारी नुकसान कर दिया है। डीपसीक के हमले के कारण अमेरिका समेत अन्य देशों की शेयर मार्केट में गिरावट आई है। डीपसीक के हमले के परिणाम स्वरुप दुनिया के टॉप 500 अमीरों की संपत्ति में गिरावट आ गई है। उनकी नेटवर्थ कुल मिलाकर 108 अरब डॉलर कम हो गई है। इस हमले से सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिकी शेयर मार्केट को हुआ है। अमेरिकी शेयर मार्केट में 3.1 फीसदी की गिरावट आई है और उसके परिणामस्वरूप अमेरिकी अरबपतियों को भी भारी नुकसान हुआ है। इस गिरावट का सबसे ज्यादा प्रभाव ओरेकल कॉर्प के को-फाउंडर लैरी एलिसन और एनवीडिया कॉर्प के को-फाउंडर जेन्सन हुआंग पर दिखा है। इन दोनों धनकुबेरों की संपत्ति में 20 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। इस गिरावट के बाद भी कुछ टेक कंपनियों के अरबपति अपनी संपत्ति में इजाफा देख रहे हैं। इसके बावजूद यह हमला टेक सेक्टर के दिग्गजों को 94 अरब डॉलर का नुकसान पहुंचा चुका है।

नेमार ने आपसी सहमति से सऊदी क्लब अल-हिलाल को कहा अलविदा

नई दिल्ली

ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर नेमार ने सऊदी अरब के क्लब अल-हिलाल के साथ अपने अनुबंध को आपसी सहमति से समाप्त कर दिया है। क्लब ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए इस बात की पुष्टि की और नेमार के करियर की आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

अल-हिलाल का बयान:

सोशल मीडिया पर जारी किए गए क्लब के बयान में कहा गया, क्लब नेमार को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देता है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है।

सऊदी क्लब में चोटों से प्रभावित रहा सफर

32 वर्षीय नेमार, जो अगस्त 2023 में अल-हिलाल का हिस्सा बने थे, चोटों के कारण अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर सके। क्लब में शामिल होने के बाद उन्होंने सिर्फ 7 मैच खेले, जबकि उनका सालाना वेतन लगभग 104 मिलियन डॉलर था।

अक्टूबर 2023 में ब्राजील के लिए विश्व कप क्वालीफायर में खेलते हुए नेमार को क्रूसिएट लिगामेंट की चोट लगी, जिसके चलते उन्हें लगभग एक साल तक मैदान से दूर रहना पड़ा। हालांकि, उन्होंने अक्टूबर-नवंबर 2024 में मैदान पर वापसी की, लेकिन हैमस्ट्रिंग की चोट ने उनकी वापसी को सीमित कर दिया।

नेमार का भविष्य: अमेरिका या ब्राजील

नेमार ने हाल ही में कहा था कि उनका लक्ष्य 2026 फीफा विश्व कप में हिस्सा लेना है, जो अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। उन्होंने सीएनएन से कहा, यह मेरा आखिरी विश्व कप होगा, और मैं इसे खेलने के लिए पूरी कोशिश करूंगा।

नेमार के लिए अमेरिका की एमएलएस लीग और उनके पुराने क्लब सैंटोस से जुड़ने की चर्चा चल रही है। सैंटोस वही क्लब है, जहां उन्होंने अपना नाम बनाया और 177 मैचों में 107 गोल किए थे।

नेमार का करियर: पेले के उत्तराधिकारी से लेकर संघर्ष तक

नेमार ने 2013 में बार्सिलोना से यूरोपीय फुटबॉल में कदम रखा और लियोनेल मेस्सी और लुइस सुआरेज़ के साथ एक ऐतिहासिक तिकड़ी बनाई। उन्होंने 2015 में चैंपियंस लीग जीतने में अहम भूमिका निभाई।

2017 में, पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने उन्हें विश्व रिकॉर्ड 220 मिलियन यूरो में साइन किया। पीएसजी में उन्होंने काइलियन एमबाप्पे के साथ मिलकर क्लब को कई सफलताएं दिलाईं, लेकिन चोटों और व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता के चलते वह निरंतरता बनाए रखने में असफल रहे।

क्या नेमार वापसी कर पाएंगे

ब्राजील के लिए 127 मैचों में 79 गोल के साथ देश के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी नेमार का करियर अब एक निर्णायक मोड़ पर है। क्या वह अमेरिका की एमएलएस में जाएंगे, या अपने पुराने क्लब सैंटोस के साथ अपने करियर को नया आयाम देंगे, यह देखना दिलचस्प होगा।

नेमार का बयान:

नेमार ने कहा, मैं मैदान पर वापसी और 2026 विश्व कप में खेलने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। यह मेरा आखिरी मौका होगा, और मैं इसे खास बनाना चाहता हूं।

न्यूज ब्रीफ

चीनी मूल की जेन्स असिंडे युगांडा की महिला बास्केटबॉल टीम में शामिल

कंपाला। चीनी मूल की बास्केटबॉल खिलाड़ी जेन्स असिंडे को 2025 एफआईबीए महिला एफ्रोबास्केट

जोन 5 क्वालीफायर के लिए युगांडा की राष्ट्रीय महिला बास्केटबॉल टीम गेजेल्स में शामिल किया गया है। असिंडे, जो पिछले अक्टूबर में चीन के हेनान फीनिक्स टीम का हिस्सा बनी थीं, मिस्र के गीज़ा में 3 से 8 फरवरी के बीच आयोजित होने वाले क्वालीफायर में खेलेंगी। यह टूर्नामेंट महाद्वीपीय शोपीस में एकमात्र बर्थ के लिए मिस्र, केन्या, दक्षिण सूडान, तंजानिया और बुरुंडी के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा। युगांडा के नए कोच निकोलस नटुहेरेजा ने असिंडे के अनुभव को टीम के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, असिंडे जैसी अनुभवी खिलाड़ी का टीम में होना हमारे लिए बहुत फायदेमंद है। वह टीम की सफलता में अहम भूमिका निभा सकती हैं। 2025 महिला एफ्रोबास्केट का 29वां संस्करण अबिदजान, कोट डी आइवर में आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीमें 2026 एफआईबीए महिला बास्केटबॉल विश्व कप क्वालीफायर में जगह बनाएंगी। असिंडे के शामिल होने से युगांडा टीम की संभावनाएं मजबूत मानी जा रही हैं, क्योंकि उनका अंतरराष्ट्रीय अनुभव टीम को अतिरिक्त बढ़त प्रदान कर सकता है।

जिमी बटलर को मियामी हीट ने फिर किया निलंबित

मियामी। मियामी हीट ने स्टार फॉरवर्ड जिमी बटलर को टीम नियमों के उल्लंघन और अनुशासनहीन

आचरण के कारण बिना वेतन के अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया है। यह फैसला सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को लिया गया, जब बटलर अभ्यास से बाहर चले गए। पिछले कुछ हफ्तों में यह तीसरी बार है जब बटलर को निलंबित किया गया है। उनका नवीनतम निलंबन कम से कम पांच खेलों तक जारी रहेगा, जो 6 फरवरी को एनबीए की व्यापार समय सीमा तक पहुंच सकता है। बटलर के इस निलंबन के तहत प्रति गेम 532,737 का आर्थिक नुकसान होने की संभावना है। टीम ने अपने बयान में कहा, यह निलंबन टीम के नियमों की अवहेलना, हानिकारक आचरण और जानबूझकर सेवाएं रोकने के लगातार पैटर्न का परिणाम है। बटलर पहले ही पिछले 12 में से 9 खेलों में निलंबन के कारण हिस्सा नहीं ले पाए हैं। उनका पहला निलंबन सात खेलों के लिए था, जबकि दूसरा दो खेलों का था, जब वे टीम की उड़ान से चूक गए थे। इस बीच, बटलर ने टीम से व्यापार का अनुरोध किया है, और मियामी हीट ने कहा है कि वे उनके लिए उपयुक्त सौदा खोजने की कोशिश कर रहे हैं। कोच एरिक स्पोएलस्ट्रा ने कहा, हम सिर्फ अपने काम और मैजिक के खिलाफ तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। वर्तमान में ही हमारी प्राथमिकता है। बटलर की अनुपस्थिति के बावजूद, मियामी हीट को अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अगले कदम पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

बिहार शुरू करेगा ग्रामीण क्रिकेट लीग, जमीनी प्रतिभाओं को मिलेगा बड़ा मंच

पटना। बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बिहार ग्रामीण लीग (बीआरएल) की शुरुआत करने का ऐलान किया है। बीसीए के अध्यक्ष राकेश तिवारी के नेतृत्व में यह लीग उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच प्रदान करेगी, जिन्हें अब तक जिला या राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका नहीं मिला है। इस पहल के साथ ही, बिहार ग्रामीण क्रिकेट लीग आयोजित करने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिभाओं की खोज बीसीए का उद्देश्य गांवों, स्कूलों, कॉलेजों और ब्लॉक स्तर पर छिपी हुई क्रिकेट प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें राज्य की मुख्यधारा में लाना है। इस लीग में 13 से 23 वर्ष की आयु के खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे। चयनित खिलाड़ियों को भविष्य में बिहार का प्रतिनिधित्व करने के लिए बड़े मंच प्रदान किए जाएंगे। बीसीए अध्यक्ष राकेश तिवारी ने कहा, बिहार ग्रामीण लीग (बीआरएल) हमारी एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके तहत हम उन खिलाड़ियों की खोज करेंगे, जिन्हें अब तक अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर नहीं मिला। हमारा लक्ष्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें तराशा जाए और क्रिकेट की मुख्यधारा में लाया जाए। लीग का ढांचा और प्रारूप लीग की शुरुआत सभी जिलों में टैलेंट हंट कार्यक्रमों के आयोजन से होगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से खिलाड़ियों का चयन कर 16 टीमें बनाई जाएंगी, जो जिला स्तरीय टूर्नामेंट में भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट का आयोजन नॉकआउट प्रारूप में होगा। प्रत्येक जिले में कुल 15 मैच खेले जाएंगे, जिसमें 8 लीग मैच, 4 क्वार्टर फाइनल, 2 सेमीफाइनल और 1 फाइनल शामिल होगा। सभी जिलों को मिलाकर कुल 570 मैच खेले जाएंगे। जिला फाइनल में सेलिब्रिटी, स्टार क्रिकेटर और ब्रांड एंबेसडर भी शामिल होंगे। सुपर लीग का आयोजन जिला स्तरीय टूर्नामेंट के बाद बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी बिहार ग्रामीण लीग सुपर लीग में भाग लेंगे।

एबी डिविलियर्स की चार साल बाद क्रिकेट में वापसी डब्ल्यूसीएल में करेंगे साउथ अफ्रीका चैंपियंस की कप्तानी

नई दिल्ली

क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खबर आई है। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने चार साल के लंबे अंतराल के बाद क्रिकेट में अपनी वापसी की घोषणा की है। डिविलियर्स वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के दूसरे संस्करण में गेम चेंजर्स साउथ अफ्रीका चैंपियंस टीम की कप्तानी करेंगे। यह टी20 टूर्नामेंट सेवानिवृत्त और गैर-अनुबंधित क्रिकेट दिग्गजों को एक साथ लाकर प्रशंसकों को पुरानी यादों और रोमांच का अनुभव कराने का वादा करता है।

डिविलियर्स का बयान – डब्ल्यूसीएल द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में एबी डिविलियर्स ने कहा, चार साल पहले, मैंने क्रिकेट से संन्यास लिया क्योंकि खेलने की मेरी इच्छा खत्म हो गई थी। लेकिन मेरे छोटे बेटों के साथ बगीचे में क्रिकेट खेलते-खेलते मेरे अंदर की लौ फिर से जल उठी। अब मैं जिम और नेट्स पर वापसी कर रहा हूं और जुलाई में डब्ल्यूसीएल के लिए तैयार हो जाऊंगा। डिविलियर्स की निडर बल्लेबाजी और बेजोड़ बहुमुखी प्रतिभा ने हमेशा प्रशंसकों का दिल जीता है। उनकी वापसी की खबर से क्रिकेट जगत में नई ऊर्जा भर गई है।

गेम चेंजर्स टीम के लिए बड़ी उपलब्धि – डिविलियर्स साउथ अफ्रीका चैंपियंस का नेतृत्व करेंगे, जो पहले सीजन में जैक्स कैलिस, हर्शल गिब्स, डेल स्टेन, और इमरान ताहिर जैसे दिग्गजों से सजी हुई थी। टीम के सह-मालिक और गेम चेंजर्स के संस्थापक अमनदीप सिंह ने कहा,

हम डब्ल्यूसीएल में प्रतिस्पर्धा करने और अपने महान खिलाड़ियों की प्रतिभा प्रदर्शित करने को लेकर गर्व महसूस कर रहे हैं। डिविलियर्स की वापसी हमारी टीम के लिए बड़ी उपलब्धि है, और उनके नेतृत्व में हम नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे।

सह-मालिक हैरी सिंह ने कहा – एबी डिविलियर्स सिर्फ एक खिलाड़ी नहीं हैं, बल्कि एक प्रेरणा हैं। उनकी वापसी खेल के प्रति उनके प्रेम और समर्पण को दर्शाती है। यह लीग और हमारी टीम के लिए ऐतिहासिक क्षण है।

डब्ल्यूसीएल की शुरुआत और उद्देश्य – वर्ल्ड

चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का उद्देश्य क्रिकेट जगत के दिग्गज खिलाड़ियों को एक बार फिर मैदान पर देखने का मौका देना है।

लीग के संस्थापक और सीईओ हर्षित तोमर ने कहा, – हमने डब्ल्यूसीएल की शुरुआत उन दिग्गजों को वापस लाने के लिए की, जिन्हें हम बहुत याद करते हैं। एबी डिविलियर्स की वापसी से हमें गर्व है, और मुझे यकीन है कि दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसक इस खबर से खुश होंगे।

डिविलियर्स का गौरवशाली करियर – डिविलियर्स को क्रिकेट इतिहास के सबसे प्रतिभाशाली और इनोवेटिव खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए 114 टेस्ट, 228 वनडे, और 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। उनकी बल्लेबाजी का आक्रामक अंदाज और मैदान पर उनकी बहुमुखी प्रतिभा उन्हें खास बनाती है। डब्ल्यूसीएल में उनकी वापसी न केवल उनके प्रशंसकों के लिए एक खुशी की बात है, बल्कि यह क्रिकेट जगत के लिए भी एक रोमांचक अध्याय की शुरुआत है।

आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ़ द ईयर 2024 चुनी गईं अमेलिया केर

दुबई

न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर ने मंगलवार (28 जनवरी) को आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ़ द ईयर 2024 का प्रतिष्ठित खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। केर ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस के चलते पहली बार राचेल हेहो-फ्लिंट ट्रॉफी जीती और ऐसा करने वाली न्यूजीलैंड की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं।

टी20 विश्व कप में ऐतिहासिक प्रदर्शन

केर ने अक्टूबर 2024 में दुबई में हुए टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड को पहली बार खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मुकाबले में ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 43 रन बनाए और 3/24 का स्पेल फेंका। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट दोनों पुरस्कारों से नवाजा गया। टी20 विश्व कप में, अमेलिया केर ने 6 मैचों में 15 विकेट लिए और 7.33 की शानदार औसत से गेंदबाजी की। साथ ही, बल्ले से 135 रन भी बनाए। पूरे साल टी20 प्रारूप में, उन्होंने 15.55 की औसत से 387 रन बनाए और 29 विकेट हासिल किए।

वनडे में भी किया कमाल

50 ओवर के प्रारूप में भी केर का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 2024 में 33.00 की औसत से 264 रन बनाए और 14 विकेट अपने नाम किए। इनमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार-चार विकेट लेने के शानदार स्पेल शामिल हैं।

अन्य नामांकित खिलाड़ी

अमेलिया केर ने यह पुरस्कार जीतने के लिए दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट, श्रीलंका की चमारी अथापट्टू, और ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ा। इसके अलावा, उन्होंने महिला टी20ई क्रिकेटर ऑफ द ईयर का खिताब भी अपने नाम किया। केर की प्रतिक्रिया अमेलिया केर ने इस उपलब्धि पर कहा: आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ़ द ईयर के लिए राचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी जीतना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। व्यक्तिगत पुरस्कारों के बारे में ज्यादा नहीं सोचते, लेकिन यह वाकई खास है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस

मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में विजेता ट्रॉफी के साथ पोज देते हुए इटली के जैनिक सिनर।

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में पारी की शुरुआत करेंगे ट्रेविस हेड

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया ने गाले में श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए उस्मान ख्वाजा के सलामी जोड़ीदार के रूप में ट्रेविस हेड को चुना है। ख्वाजा के साथ पहले नाथन मैकस्वीनी और बाद में सैम कोंस्टास ने भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में जोड़ी बनाई थी। लेकिन अब उपमहाद्वीप दौरे के लिए, वे उस फॉर्मूले पर वापस जा रहे हैं जो 2023 में भारत दौरे के दौरान कारगर साबित हुआ था और टेस्ट क्रिकेट में अपने बल्लेबाजी क्रम के साथ लचीलापन रखने के बारे में उन्होंने जो विचार रखा था, उसे और आगे बढ़ा रहे हैं।

मैच से एक दिन पहले स्टीव स्मिथ ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, उन्होंने (हेड) भारत में नई गेंद के खिलाफ वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने स्पिनरों पर तुरंत दबाव डाला और हम जानते हैं कि अगर वे ऐसा करते हैं तो वे सीम को कितनी अच्छी तरह हिट करते हैं। उन्हें देखना मजेदार होगा।

स्मिथ ने हालांकि अंतिम एकादश का नाम बताने से मना कर दिया, उन्होंने इंतज़ार करने और परिस्थितियों को देखने को प्राथमिकता दी।

उन्होंने कहा, हम इंतज़ार करेंगे और देखेंगे कि हमें क्या मिलता है, शायद खेल की सुबह, और फिर वहाँ से आगे बढ़ेंगे। लेकिन चीजें बहुत जल्दी बदल सकती हैं, दुनिया के इस हिस्से में, सूरज बहुत ज़्यादा नहीं निकला है। इसलिए हम विकेट पर एक बार फिर नज़र डालेंगे, और फिर वहाँ से, हम टॉस के समय टीम का नाम तय करेंगे।

इसका मतलब यह हो सकता है कि ऑस्ट्रेलिया 19 वर्षीय कोंस्टास को बाहर रखने पर विचार कर सकता है, जिसने अपने करियर की शुरुआत में ही अपनी छाप छोड़ी थी। स्मिथ ने अभी भी उन्हें टीम में रखने के सकारात्मक पहलुओं को देखा।

उन्होंने कहा, अगर वह नहीं खेलता है तो उसे यहाँ बहुत अभ्यास करना होगा, जो अपने आप में विकास के लिए बहुत बढ़िया है। आप जानते हैं, मुझे केवल 2013 के बारे में सोचना है, जब मैंने पहले कुछ टेस्ट नहीं खेले थे, और नेट पर मैंने जितनी गेंदें खेली थीं, और नेट गेंदबाजों का सामना करने से मैंने जो कौशल विकसित किए थे और इस तरह की चीजें। इसलिए चाहे वह खेले या नहीं, मुझे लगता है कि यह उसके लिए एक शानदार अनुभव होने वाला है। वह बहुत कुछ सीखने वाला है। इसके अलावा, स्मिथ ने पुष्टि की कि वह बिग बैश लीग में खेलते समय लगी कोहनी की चोट से अच्छी तरह से उबर चुके हैं, जिसने दौरे से पहले चिंता पैदा कर दी थी। उन्होंने कहा, सौभाग्य से यह मुख्य रूप से मांसपेशियों की चोट थी, यह बहुत जल्दी ठीक हो गई। मैं वास्तव में बिना टेप के बल्लेबाजी कर रहा हूं। इसी तरह, शिविर में दूसरी चोट की चिंता बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन की थी, जो अब फिट हो गए हैं। स्मिथ ने कहा, जाहिर है कि सर्जन ने उनके लिए बहुत बढ़िया काम किया है, ताकि वह फील्डिंग कर सकें और पिछले कुछ दिनों में वह जो कुछ भी कर पाए हैं, वह कर सकें, हम थोड़े हैरान हैं। या तो वह एक बेहतरीन अभिनेता हैं या फिर उनमें दर्द सहने की अद्भुत क्षमता है।

लक्ष्य सेन, अंकिता ध्यानी एथलीट परेड में करेंगे उत्तराखंड का नेतृत्व

देहरादून

ओलंपिक खेलों के बैडमिंटन सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी और उत्तराखंड के गर्व, लक्ष्य सेन, और ओलंपिक लंबी दूरी की धावक अंकिता ध्यानी, 38वें राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह में उत्तराखंड के ध्वजवाहक की भूमिका निभाएंगे। यह समारोह आज देहरादून में आयोजित किया जा रहा है।

अपने-अपने राज्यों का नेतृत्व करने वाले अन्य प्रमुख ध्वजवाहकों में शामिल हैं:

एलावेनिल वलारिवन (गुजरात): 2019 विश्व चैंपियन और ओलंपियन 10 मीटर एयर राइफल शूटर।

अदिति स्वामी (महाराष्ट्र): महिला कंपाउंड तीरंदाजी की 2023 विश्व चैंपियन।

ओमप्रकाश मिश्रवाल (राजस्थान): 2018 विश्व शूटिंग चैंपियनशिप में 50 मीटर पिस्टल स्वर्ण पदक विजेता।

राजस्थान की ओर से ओमप्रकाश के साथ

निशा कंवर भी ध्वजवाहक होंगी। निशा सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित हैं और 2023 विश्व शूटिंग पैरा स्पोर्ट चैंपियनशिप में मिश्रित टीम एयर पिस्टल में पोडियम फ़िनिश हासिल कर चुकी हैं। उनकी उपस्थिति भारतीय ओलंपिक संघ के समावेशिता के उद्देश्य को दर्शाती है।

ध्वजवाहकों की सूची में अन्य दिग्गज-

प्रतीक वाकर (महाराष्ट्र): भारतीय पुरुष खो-खो टीम के कप्तान।

तरुणदीप राय (सिक्किम): तीन बार के ओलंपियन तीरंदाज।

आशी चौकसे (मध्य प्रदेश): हांग्जो 2022 एशियाई खेलों की 10 मीटर एयर राइफल टीम की रजत पदक विजेता।

अंजुल नामदेव (सर्विसेज): वुशु स्टार।

अश्मिता चालिहा (असम): बैडमिंटन खिलाड़ी।

हरिंदरपाल सिंह संधू (तमिलनाडु): अर्जुन पुरस्कार विजेता और हांग्जो 2022 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता।

धर्षिनी थिरुनावक्कारासु (तमिलनाडु): बास्केटबॉल अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय चैंपियनशिप की सबसे मूल्यवान खिलाड़ी।

समारोह की झलकियां – इस समारोह में एथलीटों की परेड, हाइड्रोलिक कड़ाही में खेलों की मशाल का प्रज्वलन और शपथ समारोह मुख्य आकर्षण होंगे।

सांस्कृतिक प्रस्तुति के तहत शिव तांडव से प्रेरित एक उद्घाटन कार्यक्रम और 'धैर्य, शौर्य और निश्चय' थीम पर आधारित प्रस्तुति भी होगी। इसके अलावा, उत्तराखंड बैंड 'पांडवों' का एक घंटे का संगीत प्रदर्शन दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेगा। देहरादून में जन्मे लोकप्रिय गायक जुबिन नौटियाल पारंपरिक कार्यक्रम के समापन के बाद अपनी प्रस्तुति देंगे।

खेलों का आयोजन और समापन – उत्तराखंड ने राष्ट्रीय खेलों के आयोजन में व्यापक तैयारियां की हैं। हल्द्वानी में समापन समारोह से एक दिन पहले, 13 फरवरी को खेल प्रतियोगिताएं समाप्त होंगी। 35 खेल विषयों में लगभग 450 स्वर्ण पदक दांव पर हैं, जिसमें देश भर से आए एथलीट अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

खेल और संस्कृति का अद्वितीय संगम

राष्ट्रीय खेलों का यह आयोजन न केवल खेलों के प्रति उत्साह को बढ़ावा देगा, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत को भी दर्शाएगा। खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए यह एक यादगार अनुभव साबित होने की उम्मीद है।

मौनी अमावस्या पर बन रहा समुद्र मंथन तुल्य योग

8 फरवरी तक मिलेगा अमृत स्नान का पुण्य लाभ

सनातन आस्था के महापर्व महाकुंभ के सबसे प्रमुख पर्व मौनी अमावस्या का अमृत स्नान 29 जनवरी, बुधवार को होगा।

ज्योतिषशास्त्रियों की काल गणना के अनुसार इस वर्ष मौनी अमावस्या कि तिथि पर 144 वर्षों बाद अद्भुत त्रिवेणी योग बन रहा है। ज्योतिषशास्त्रियों का कहना है कि ये योग समुद्र मंथन के योग के समान है, इस योग में पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने से सहस्त्र वाजपेय यज्ञ और सौ अश्वमेध यज्ञ के सामान पुण्य प्राप्त होता है। ज्योतिषशास्त्रियों के अनुसार, यह समुद्र मंथन तुल्य योग मंगलवार अपराह्न 2.35 से लेकर 8 फरवरी प्रात: 7.25 बजे तक रहेगा। इस योग में स्नान करने पर अमृत स्नान का पुण्य प्राप्त होगा। शास्त्रों और पुराणों में वर्णन है कि महाकुंभ में मौनी अमावस्या तिथि पर पवित्र संगम में स्नान करना मोक्षदायक माना गया है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, श्रद्धालु किसी विशेष योग और नक्षत्र के बजाए सुविधा के साथ किसी भी घाट पर स्नान करें, उन्हें संगम स्नान जैसे ही पुण्य फल की प्राप्ति होगी। पौराणिक मान्यता के अनुसार मौनी अमावस्या कि तिथि पर मौन व्रत रख कर ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करने का विधान है। पंचांग की गणना के अनुसार माघ मास की अमावस्या तिथि 28 जनवरी को सांयकाल 07 बजकर 32 मिनट से शुरू होकर 29 जनवरी को शाम 06 बजकर 05 मिनट तक रहेगी। प्रयागराज के ज्योतिष शास्त्री एचके शुक्ला का कहना है कि इस वर्ष महाकुंभ में 144 वर्ष बाद विशिष्ट संयोग बन रहा है। इस वर्ष माघ मास की अमावस्या तिथि पर मकर राशि में सूर्य, चंद्रमा और बुद्ध तीनों ग्रह स्थित हो रहे हैं तथा बृहस्पति ग्रह नवम दृष्टि में है। इस विशिष्ट संयोग त्रियोग या त्रिवेणी योग कहा जाता है। यह रिवेणी योग समुद्र मंथन काल के योग के समान है। इस योग में त्रिवेणी स्नान विशेष फलदायी है। मौनी अमावस्या तिथि पर मौन व्रत रख कर स्नान करने और भगवान विष्णु का पूजन किया जाता है। कानपुर के प्रख्यात ज्योतिशाचार्य पीएन द्विवेदी के अनुसार, महाकुंभ में माघ मास की अमावस्या तिथि को ही मौनी अमावस्या कहा जाता है। मौनी अमावस्या के दिन ही वैवस्वत मनु का जन्म हुआ था। इस दिन मौन व्रत रख कर स्नान करना शुभ माना जाता है। मौनी अमावस्या पर स्नान का उत्तम मुहूर्त ब्रह्म मुहूर्त में होता है, लेकिन पूरे दिन ही मौनी अमावस्या तिथि का स्नान करना शुभ माना गया है। उदया तिथि होने कारण पूरे दिन ही अमावस्या का स्नान होगा। संभव हो तो इस दिन मौन व्रत रख कर संगम स्नान करना चाहिए, विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है। जो लोग त्रिवेणी संगम में स्नान नहीं कर पा रहे हैं वो संगम या गंगा जल को पानी में मिलाकर स्नान करें, उससे उन्हें संगम स्नान का ही फल प्राप्त होगा। मौनी अमावस्या तिथि के दिन अमृत स्नान के कई शुभ मुहूर्तों का निर्माण हो रहा है, जिसमें स्नान और दान विशेष फलदायी है। इसमें ब्रह्म मुहूर्त से लेकर अमृत चौघड़िया मुहूर्त और शुभ चौघड़िया मुहूर्त भी है। साथ ही मौनी अमावस्या पर उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के बाद श्रवण नक्षत्र लग रहा है। इन सभी योग और नक्षत्रों में स्नान दान करने व पितरों की शांति के लिये पूजन करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है।

किचन के काम को आसान बनाएंगे ईजी हैक्स और ट्रिक्स

कचन में काम करना और किचन की जिम्मेदारी निभाना कोई आसान बात नहीं है। किचन में काम करते समय कई सारी बातों का ध्यान रखना पड़ता है। जरा-सी लापरवाही काम को बिगाड़ सकती है। यह एक आम समस्या है, जो किचन में काम करते समय अक्सर फेस करनी पड़ती है। ऐसे में अगर कुछ किचन हैक्स की जानकारी हो जाए, तो काम आसान हो जाता है। इन ट्रिक्स की मदद से सिर्फ काम आसान ही नहीं, बल्कि बिगड़ा काम भी सुधर सकता है। किचन के काम में हमेशा कुछ नया सीखते रहने से काम जल्दी निपटते हैं,पैसे बचते हैं, मेहनत कम लगती है और गलतियां सुधारने में भी मदद मिलती है। इससे कुकिंग आसान और मस्ती भरी हो जाती है। आज इस आर्टिकल में हम आपको ऐसे ही कुछ कारगर किचन हैक्स के बारे में बताएंगे, तो आपकी किचन की जर्नी को आसान बना सकते हैं। मिक्सर जार से चिकनाई निकाल कर साफ करने के लिए मिक्सी के जार में बर्फ डालें। इसमें लिक्विड डिश वॉश डालें। जार को मशीन पर रख कर एक से दो बार चलाएं। पूरी चिकनाई बर्फ के कारण सिमट कर बाहर निकल जाएगी। फिर आसानी से साफ पानी से इसे धुलें और सुखाएं। जार नया जैसा चमक उठेगा। इडली का घोल अगर पतला हो जाए, तो इसमें चावल का आटा या सूजी मिला दें। इससे घोल तुरंत गाढ़ा हो जाएगा। आटा या सूजी डालते समय घोल को चलाते रहें, जिससे ये ज्यादा गाढ़ा भी न हो जाए। भिंडी बनाते समय अगर चिपचिपी होती है, तो इसमें नींबू की कुछ बूंदें डालें या फिर अमचूर पाउडर डालें। इससे भिंडी क्रिस्पी और अलग-अलग हो जाएगी। मिर्ची की डंठल को तोड़ कर मिर्च को पेपर बैग में लपेट कर, बैग में छेद कर के इसे फ्रिज में स्टोर करें। इससे मिर्ची से नमी खत्म हो जाती है, छेद से वेंटिलेशन बना रहता है और मिर्ची की शेल्फ लाइफ बढ़ जाती है। बोतल या ऑयल डिस्पेंसर को साफ करना हो, तो इसमें थोड़ा सा चावल, डिश वॉश और पानी डाल कर अच्छे से शेक करें। फिर साफ पानी से धुल कर धूप में सुखाएं। बोतलें चमक उठेंगी।

क्या सचमुच खूबसूरत और ग्लोइंग स्किन का सपना सच कर सकती है ब्यूटी स्लीप?

कल्पना कीजिए कि आपकी त्वचा एक खूबसूरत बगीचा है। अगर आप इस बगीचे की देखभाल नहीं करेंगे, तो वह मुरझा जाएगा। बता दें, रात की नींद इस बगीचे को सींचने के समान है, क्योंकि जब आप सोते हैं, तो आपकी स्किन नए सेल्स के साथ रीजनरेट होती है और पिछले दिन हुए नुकसान को ठीक करती है। अगर आप अच्छी नींद नहीं लेते हैं, तो आपकी त्वचा उम्र से पहले ही बूढ़ी नजर आने लगेगी। ऐसे में, आपको झुर्रियां, डार्क सर्कल और पफी आईज की प्रॉब्लम भी हो सकती है। यही वजह है कि खूबसूरत और जवां त्वचा पाने के लिए रात को अच्छी नींद लेना सबसे जरूरी होता है। आइए इस आर्टिकल में आपको बताते हैं कि ब्यूटी स्लीप क्या होती है और यह स्किन को किस तरह से फायदा पहुंचाती है।

फिल्म सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव 28 फरवरी को होगी रिलीज

एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी के साथ मिलकर अपनी बहुप्रशंसित ओरिजिनल फिल्म *सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव* का प्रीमियर भारत, यूके, यूएस यूऐई, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के सिनेमाघरों में 28 फरवरी, 2025 को करने की घोषणा की है। यह फिल्म महाराष्ट्र राज्य के एक छोटे शहर मालेगांव में बनी है और वास्तविक घटनाओं से प्रेरित है। एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी द्वारा निर्मित, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव का निर्माण रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर, जोया अख्तर और रीमा कागती ने किया है। फिल्म का निर्देशन रीमा कागती ने किया है और पटकथा वरुण ग्रोवर ने लिखी है। इसमें आदर्श गौरव, विनीत कुमार सिंह और शशांक अरोड़ा जैसे टैलेंटेड कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, 68वां लंदन फिल्म फेस्टिवल, पाल्म स्प्रिंग्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सराहना प्राप्त करने के बाद, यह भावनात्मक और प्रेरणादायक कहानी – मानवीय रिश्तों, मित्रता और फिल्म निर्माण की परिवर्तनकारी शक्ति को दर्शाती है जो 28 फरवरी को भारत, यूके,यूएस यूऐई, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी। सिनेमाघरों में अपने प्रदर्शन के बाद कि सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव का डिजिटल प्रीमियर प्राइम वीडियो पर होगा। सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव, मालेगांव के एक शौकिया फिल्म निर्माता नासिर शेख के जीवन पर आधारित फिल्म है। मालेगांव के निवासी अपनी रोजमर्रा की थकान और संघर्ष से बचने के लिए बॉलीवुड सिनेमा की ओर रुख करते हैं। नासिर को मालेगांव के लोगों के लिए, मालेगांव के लोगों द्वारा एक फिल्म बनाने की प्रेरणा मिलती है। वह अपने असामान्य लेकिन समर्पित दोस्तों के समूह के साथ मिलकर अपने सपने को साकार करने का प्रयास करता है, जिससे पूरे शहर में एक नई ऊर्जा और जोश का संचार होता है। यह फिल्म, फिल्म निर्माण और दोस्ती पर आधारित एक मार्मिक लेकिन प्रेरणादायक कहानी है।

खुशी कपूर को प्लास्टिक बुलाने वालों को मिला करारा जवाब, बोली- ये कोई बड़ी बात नहीं...

बोनी कपूर और दिवंगत अदाकारा श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर जल्द ही लवयापा नाम की फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी, जिसमें उनके साथ आमिर खान के बेटे जुनैद खान भी दिखाई देंगे। खुशी कपूर की ताजा तस्वीरें देखने के बाद लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि उन्होंने एक्ट्रेस बनने के लिए कई सारे कॉस्मेटिक ट्रांसफॉरमेशन कराए हैं, जिससे उनका चेहरा पूरा बदल चुका है। खुशी कपूर ने फिल्म लवयापा की रिलीज से पहले इन चीजों पर बात की और कहा है कि ये सारी चीजें आज के वक्त में नॉर्मल हैं। लवयापा एक्ट्रेस खुशी कपूर ने मीडिया से बात करते हुए स्वीकार किया है कि उन्होंने सुंदरता को बढ़ाने के लिए साइंस का सहारा लिया है। कॉस्मेटिक और मेडिकल में बहुत बड़ी बात है। लोग अदाकारा के अनुसार, मुझे नहीं लता है कि ये चीजें आज के समय बोलकर सामने वाले की जब प्लास्टिक जैसे शब्द बोलते हैं तो उन्हें लगता है कि वो ऐसा को आगे बढ़ाते हुए कहा बेइज्जती कर सकते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। खुशी कपूर ने अपनी बात है कि मेरी आईब्रोज कि मैंने बीते दिनों ही अपनी आईब्रोज पर काम कराया है। मुझे लगता काफी घनी हैं लेकिन करीब से देखने पर पता चलता है कि इनमें काफी गैप है, इसीलिए मैंने इन्हें थोड़ा फिल कराया है। ये ट्रीटमेंट कराने के बाद मैं 10 दिन तक आईब्रोज को धुल नहीं नहीं सकती हैं, जिस कारण ट्रीटमेंट करने वालों ने मुझे इन्हें ढकने के लिए शील्ड जैसी चीज दी है। एक दिन मैंने अपने दोस्तों को इसकी पिक यूं ही भेज दी। उन्होंने मुझसे कुछ नहीं कहा कि वो काफी नॉर्मल थे। खुशी कपूर ने इशारों-इशारों में ट्रोल्स को जवाब दिया है कि उन्हें भद्दे कमेंट्स से फर्क नहीं पड़ता है। वैसे खुशी अकेली ऐसी अदाकारा नहीं हैं, जिन्होंने मेडिकल साइंस का सहारा लिया है। उनसे पहले भी कई अदाकाराएं सुंदर दिखने के लिए चेहरे में बदलाव करवा चुकी हैं।

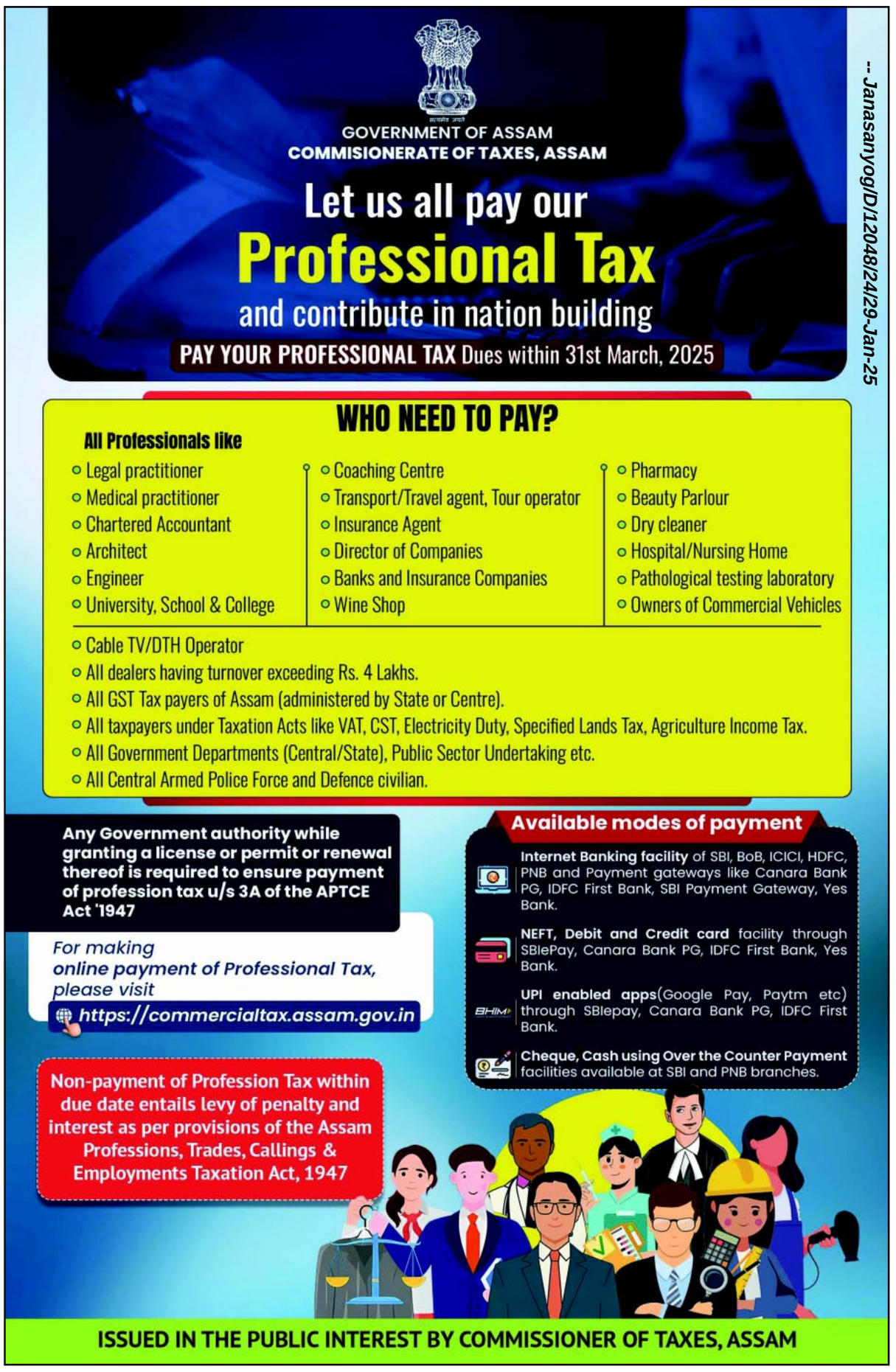

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**